R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 181
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
बुधवार, 11 मार्च, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

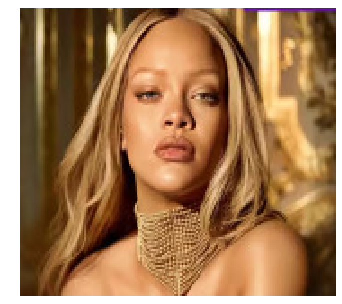

3 मंडलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक संपन्न | 5 ट्रेन से कटकर अधेड़ की मौत, शव पोस्टमार्टम को ... | 7 रिहाना के घर पर अंधाधुंध फायरिंग के बार ...

भारत हथियारों का दूसरा सबसे बड़ा खरीददार, 'आत्मनिर्भर भारत' को एसआईपीआरआई की रिपोर्ट से झटका!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत सरकार द्वारा 'मेक-इन-इंडिया' हथियारों पर दिए जा रहे प्रोत्साहन के कारण आयात में मामूली गिरावट के बावजूद, स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2021 से 2025 के बीच वैश्विक हिस्सेदारी के 8.2इ के साथ प्रमुख हथियारों का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है। रिपोर्ट में

हथियारों की आपूर्ति के लिए रूस पर नई दिल्ली की दशकों पुरानी निर्भरता में आई भारी गिरावट को भी उजागर किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, मॉस्को की हिस्सेदारी 2011-15 में 70इ से घटकर 2021-25 में 40इ हो गई है, जबकि फ्रांस और इज़राइल को इसका सबसे अधिक लाभ हुआ है, जिनकी हिस्सेदारी क्रमशः 29इ और 15इ तक बढ़ गई है। 2016-2020 के चक्र की तुलना में भारत के हथियार आयात में 4इ की गिरावट स्वदेशी हथियारों पर देश के जोर देने के कारण हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'यह कमी आंशिक रूप से भारत की अपने हथियारों को डिजाइन करने और उत्पादन करने की बढ़ती क्षमता के कारण है - हालांकि घरेलू उत्पादन में अक्सर काफी देरी होती है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की नई रिपोर्ट के अनुसार 2021-25 में यूक्रेन 9.7इ हिस्सेदारी के साथ दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक बना हुआ है। 2021 से 2025 के दौरान वैश्विक हथियार आयात में भारत की हिस्सेदारी 8.2इ रही, हालांकि 2016-2020 की तुलना में इस अवधि में भारत के आयात में 4इ की गिरावट दर्ज की गई। इस अवधि में भारत को सैन्य उपकरणों की सबसे ज्यादा आपूर्ति रूस ने की, लेकिन रूस पर निर्भरता लगातार घट रही है।

पश्चिमी देशों के साथ कई बड़े रक्षा सौदों की संभावना को देखते हुए, भारतीय आयात में यह रुझान आने वाले वर्षों में भी जारी रहेगा। इनमें फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान (जिनकी लागत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये हो सकती है), जर्मनी से छह वायु-स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी) से लैस पारंपरिक पनडुब्बियां, अमेरिका से छह अतिरिक्त पी-8आई पोसाइडन समुद्री गश्ती विमान और इज़राइल के साथ मिसाइल रक्षा प्रणालियों और ड्रोन पर कई सौदे शामिल हैं। सिप्री की रिपोर्ट में मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि भारत का शस्त्रागार मुख्य रूप से चीन और पाकिस्तान से उत्पन्न दोहरे खतरे से प्रेरित है। सिप्री विश्लेषक ने कहा, 'दक्षिण एशिया में, भारत द्वारा हथियारों का भारी मात्रा में आयात मुख्य रूप से चीन से संभावित खतरे और चीन से हथियारों के निर्यात के प्रमुख प्राप्तकर्ता पाकिस्तान के साथ भारत के लंबे समय से चल रहे संघर्ष के कारण है। आयातित हथियारों का इस्तेमाल 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष में किया गया था, दोनों ही परमाणु-सशस्त्र देश हैं।

क्या राष्ट्रपति मुर्मू का हुआ अपमान? भारत रत्न समारोह के प्रोटोकॉल पर बीजेपी-टीएमसी में तकरार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस दावे पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न प्रदान किए जाने के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को खड़ा किया गया था, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठे रहे। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस पर गलत सूचना फैलाने और आक्रोश पैदा करने का आरोप लगाया। भाजपा ने एक पोस्ट में कहा कि तृणमूल कांग्रेस द्वारा प्रसारित तस्वीर को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है और जोर देकर कहा कि समारोह आधिकारिक प्रोटोकॉल के अनुसार आयोजित किया गया था। पार्टी के अनुसार, भारत रत्न प्रदान किए जाने के दौरान, राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार प्रदान किए जाने पर उपस्थित सभी लोग बैठे रहते हैं और इसमें शिष्टाचार का कोई उल्लंघन नहीं हुआ।

भाजपा ने कहा कि टीएमसी की फर्जी समाचार बनाने वाली फैक्ट्री फिर से सक्रिय हो गई है और आगे कहा कि पार्टी माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत रत्न एलके आडवाणी से जुड़े एक गरिमामय क्षण को तुच्छ राजनीति के लिए तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश कर रही है। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस से गलत सूचना फैलाने के बजाय सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा का सम्मान करने का भी आह्वान किया।

राजनीतिक विवाद तब और तेज हो गया जब बनर्जी ने मार्च 2024 की एक तस्वीर प्रदर्शित की जिसमें राष्ट्रपति मुर्मू आडवाणी को भारत रत्न प्रदान कर रहे थे और प्रधानमंत्री मोदी उनके बगल में बैठे थे। तस्वीर साझा करते हुए बनर्जी ने भाजपा पर पाखंड का आरोप लगाया और पश्चिम बंगाल सरकार की आलोचना पर सवाल उठाए। अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा यह आपके लिए है, विशेष रूप से प्रधानमंत्री के लिए। आप एक आदिवासी नेता और भारत के राष्ट्रपति का सम्मान नहीं करेंगे। राष्ट्रपति खड़ी हैं और प्रधानमंत्री बैठी हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं इसे इसलिए दिखा रही हूं क्योंकि हम सम्मान करते हैं, लेकिन वे सम्मान नहीं देते। बनर्जी ने उन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि उनकी सरकार ने राष्ट्रपति के हालिया राज्य दौरे के दौरान उनका अपमान किया था।

प्रदेश के हर गांव तक अब दौड़ेगी बस, योगी कैबिनेट ने 'ग्राम परिवहन योजना' को दी मंजूरी

लखनऊ **(एजेंसी)**। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने मंगलवार को 'मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026' को मंजूरी दे दी, जिसके तहत राज्य के हर गांव तक बसों की आवाजाही सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। लोकभवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में वित्त और संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 31 प्रस्ताव पेश किए गए, जिनमें से 30 को मंजूरी दे दी गई। संवाददाता सम्मेलन में मौजूद परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एक बयान के अनुसार उन्होंने बताया, अभी तक 12, 200 गांवों तक बसें नहीं पहुंच रही थीं, लेकिन नयी नीति के तहत उत्तर प्रदेश की सभी 59, 163 ग्राम सभाओं तक बसें पहुंचेंगी। इन बसों को परमिट व टैक्स से मुक्त रखा गया है।

इससे प्रदेश की बड़ी ग्रामीण आबादी लाभान्वित होगी। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाएगी, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सदस्य होंगे। उन्होंने कहा कि ये बसें रात में गांव में ही रुकेंगी और सुबह ब्लॉक व तहसील होते हुए पूर्वाह्न 10 बजे तक जनपद मुख्यालय तक पहुंचेंगी। परिवहन मंत्री ने बताया कि बसें पूर्वाह्न 10 से शाम चार बजे तक चलेंगी। उन्होंने कहा कि इन बसों के ड्राइवर, कंडक्टर व क्लीनर आसपास के गांव के लोग ही होंगे, जिससे रात में गांव में रुकने और सुबह आने में उन्हें परेशानी नहीं होगी। परिवहन मंत्री ने बताया कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी स्थानीय स्तर पर किराया निर्धारित करेगी और टिकट सस्ता होगा। उन्होंने कहा कि इन बसों को परमिट की आवश्यक्ता नहीं होगी, जिसकी वजह से बस चलाने वालों को लाभ होगा।

सिंह ने कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में बताया कि उत्तर प्रदेश में अब ओला व उबर को भी पंजीकरण कराना होगा। परिवहन मंत्री ने मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 93 का जिक्र किया और बताया कि भारत सरकार ने एक जुलाई 2025 को नियमावली में संशोधन किया था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के नियम को उत्तर प्रदेश भी अपनाएगा। सिंह ने कहा कि ओला-उबर पर पहले नियंत्रण नहीं था, लेकिन अब इन्हें भी पंजीकरण कराना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों को आवेदन, लाइसेंस और नवीनीकरण शुल्क भी देना होगा और वाहन चालक की मेडिकल जांच, पुलिससत्यापन तथा फिटनेस टेस्ट आदि भी कराए जाएंगे।

परिवहन मंत्री ने बताया कि अब उत्तर प्रदेश में बिना पंजीकरण शुल्क, फिटनेस, मेडिकल टेस्ट, पुलिस सत्यापन के वाहन चलाने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अधिसूचना जारी होने के बाद यह नियम लागू हो जाएगा। सिंह ने बताया कि पंजीकरण के लिए आवेदन शुल्क 25 हजार रुपये होगा, जबकि 50-100 या इससे अधिक गाड़ी चलाने वाली कंपनी की लाइसेंसिंग फीस पांच लाख रुपये होगी। उन्होंने कहा कि हर पांच साल पर नवीनीकरण कराया जाएगा, जिसके लिए पांच हजार रुपये देने होंगे।

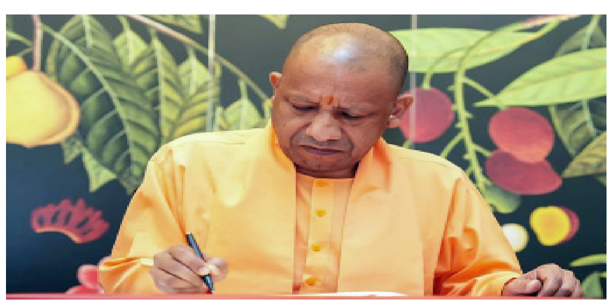

सरकारी नौकरियों में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण बरकरार, केंद्र सरकार ने लोकसभा में दी जानकारी

पीएम-यशस्वी योजना से होगा छात्रों का कल्याण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्र सरकार ने मंगलवार को संसद में स्पष्ट किया कि केंद्र के तहत आने वाले सभी सिविल पदों और सेवाओं में सीधी भर्ती के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री बी. एल. वर्मा ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में आरक्षण नीति और समुदायों के कल्याण के लिए चल रही योजनाओं का विवरण साझा किया। उन्होंने कहा, ''सरकार की कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के 8.9.1993 तारीख के कार्यालय

ज्ञापन (ओएम) और समय-समय पर जारी दूसरे निर्देशों के माध्यम से एक आरक्षण नीति है, जिसके तहत सरकार के तहत सिविल पदों और सेवाओं में सीधी भर्ती में 27 प्रतिशत रिक्त पद ओबीसी के लिए आरक्षित हैं।'' वर्मा ने कहा कि मंत्रालय 'पीएम यंग अचीवर्स स्कॉलरशिप अवार्ड स्कीम फॉर वाइब्रेंट इंडिया' (पीएम-यशस्वी) के तहत ओबीसी समुदाय की भलाई के लिए कदम उठा रहा है, जिसमें प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, स्कूलों और कॉलेजों में शीर्ष स्तर की शिक्षा और ओबीसी समुदाय के लड़कों तथा लड़कियों के लिए छात्रावास बनाना शामिल है। सरकार का यह बयान उन युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है जो सरकारी सेवाओं की तैयारी कर रहे हैं। शिक्षा से लेकर रोजगार तक, केंद्र सरकार ने ओबीसी समुदाय के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। 'पीएम-यशस्वी' जैसी योजनाएं भविष्य में समुदाय के शैक्षणिक स्तर को ऊपर उठाने में मील का पत्थर साबित होंगी।

जल जीवन मिशन को मिला मेगा पुश, मोदी कैबिनेट ने 2028 तक बढ़ाया, 8.69 लाख करोड़ मंजूर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को जल जीवन मिशन के विस्तार को मंजूरी दे दी, जिसके लिए अतिरिक्त आवंटन बढ़ाकर 8.69 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णयों पर पत्रकारों को जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्र सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय के उस प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जिसमें जल जीवन मिशन (जेजेएम) के कार्यान्वयन को बुनियादी ढांचे के निर्माण से हटाकर सेवा वितरण पर केंद्रित करने की बात कही गई है। इसमें पेयजल प्रबंधन और संस्थागत पारिस्थितिकी तंत्र का सहयोग भी शामिल है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपलाइन के माध्यम से स्थायी रूप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जेजेएम के पुनर्गठन के लिए मंत्रिमंडल ने कुल आवंटन को बढ़ाकर 8.69 लाख करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी है, जिसमें केंद्र की ओर से 3.59 लाख करोड़ रुपये की सहायता शामिल है। यह राशि 2019-20 में स्वीकृत 2.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, यानी केंद्र की ओर से 1.51 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त हिस्सेदारी है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, 'सुजलम भारत' नामक एक समान राष्ट्रीय डिजिटल ढांचा लागू किया जाएगा, जिसके तहत प्रत्येक गांव को एक विशिष्ट सुजल गांव/सेवा क्षेत्र आईडी आवंटित की जाएगी, जो स्रोत से नल तक संपूर्ण पेयजल आपूर्ति प्रणाली का डिजिटल मानचित्रण करेगी।

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, जल अर्पण के माध्यम से योजनाओं के शुभारंभ और औपचारिक हस्तांतरण में ग्राम पंचायतों और पशु एवं जल आपूर्ति केंद्रों (वीडब्ल्यूएससी) की भागीदारी होगी। ग्राम पंचायत कार्यों के पूर्ण होने का प्रमाण पत्र तभी जारी करेगी और स्वयं को 'हर घर जल' घोषित करेगी जब राज्य सरकार द्वारा गांव में पर्याप्त संचालन और रखरखाव तंत्र स्थापित किए जाने की पुष्टि हो जाएगी।

यह मानते हुए कि सामुदायिक स्वामित्व और भागीदारी परिचालन दक्षता और स्रोत की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं, कार्यक्रम 'जल उत्सव' को एक वार्षिक, समुदाय-नेतृत्व वाले रखरखाव और समीक्षा कार्यक्रम के रूप में बढ़ावा देगा, जो स्थानीय सांस्कृतिक मूल्यों को एकीकृत करते हुए पेयजल सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक जिम्मेदारी को मजबूत करेगा, विज्ञप्ति में कहा गया है। 2019 में नल के पानी के कनेक्शन वाले 3.23 करोड़ (17इ) ग्रामीण परिवारों के आधारभूत स्तर से, अब तक जेजेएम के तहत 12.56 करोड़ से अधिक अतिरिक्त ग्रामीण परिवारों को नल के पानी के कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

असम में भाजपा का चुनावी मंथन, मुख्यमंत्री सरमा बोले- 15 मार्च तक फाइनल होगी उम्मीदवारों की लिस्ट

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को घोषणा की कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची 11 से 15 मार्च के बीच अंतिम रूप देगी। गुवाहाटी में मीडिया को संबोधित करते हुए सरमा ने कहा कि यदि चुनाव आयोग चुनाव तिथियों को स्थगित करता है, तो जन आशीर्वाद यात्रा का तीसरा चरण आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम यात्रा का तीसरा चरण करेंगे; अन्यथा, यह यात्रा चुनाव के साथ जारी रहेगी।

सरमा ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया, विशेष रूप से पार्टी नेताओं गौरव गोगोई और रकीबुल हुसैन को निशाना बनाते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी ने कुछ स्थानों पर जन आशीर्वाद यात्रा को बाधित करने का प्रयास किया। सरमा ने कहा कि कांग्रेस ने मेरी यात्रा के दौरान कुछ स्थानों पर मुश्किलें पैदा करने की कोशिश की। मैंने उन स्थानों पर कांग्रेस का कोई रुख नहीं देखा जहां सनातनी, आदिवासी, हिंदू, असमिया लोग (हिंदू और मुस्लिम दोनों) मौजूद हैं।

गोगोई और हुसैन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अगर ये दोनों कांग्रेस पार्टी में हैं तो भाजपा को फायदा होगा। ठीक वैसे ही जैसे राहुल गांधी के कांग्रेस में रहने पर प्रधानमंत्री मोदी हमेशा प्रधानमंत्री बने रहेंगे। उन्होंने इस दावे को भी खारिज कर दिया कि 'ओरुनोदोई योजना', जिसके तहत भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली असम सरकार 40 लाख महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में 3600 करोड़ रुपये हस्तांतरित करेगी, राजनीतिक रूप से प्रेरित है। उन्होंने योजना की दीर्घकालिक अवधि का हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि इस योजना को लागू करने के बाद हम पहले ही तीन चुनाव जीत चुके हैं। लेकिन अन्य राज्यों के विपरीत, यहां सामूहिक हस्तांतरण नहीं है। यह हस्तांतरण महिलाओं की एक निश्चित श्रेणी तक सीमित है। इसलिए यह एक बहुत ही नियंत्रित योजना है, जिसका चुनाव से कोई संबंध नहीं है। क्योंकि हम इसे पिछले 6 वर्षों से कर रहे हैं। योजना के अत्यधिक नियंत्रित होने पर जोर देते हुए उन्होंने आगे कहा कि हमारे पास कई मानदंड हैं, और हम उनका पालन कर रहे हैं - जैसे विधवा, दिव्यांग (विकलांग), परिवार में कैंसर रोगी होना। यह करुणा से भरपूर एक संपूर्ण योजना है। इसका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है।

राहुल गांधी की 'भविष्यवाणी' हुई सच!

गैस संकट पर प्रियंका ने मोदी को जवाब दिया सरकार को घेरा, उठाए सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को चिकित्सा क्षेत्र में महिलाएं (बहु-विशेषज्ञता सम्मेलन) कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में महिलाओं ने अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज महिलाएं चिकित्सा क्षेत्र के सभी क्षेत्रों में योगदान दे रही हैं - डॉक्टर, सर्जन, शोधकर्ता, नर्स और स्वास्थ्य विशेषज्ञ के रूप में। उन्होंने कहा कि उनका काम केवल रोगियों का इलाज करने तक ही सीमित नहीं है; यह एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आगे कहा कि महिलाएं जिस संवेदनशीलता, करुणा और समर्पण के साथ चिकित्सा क्षेत्र में काम करती हैं, वह इसे अधिक मानवीय बनाती है।

दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ डॉक्टरों, चिकित्सा विशेषज्ञों, नर्सिंग स्टाफ और बड़ी संख्या में महिला स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता कार्यक्रमों और चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक महिला को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो।

उन्होंने कहा कि यह सरकार अमेरिका के इशारे पर चल रही है। अगर अमेरिका कहता है कि यह तेल ले लो, तो वे ले लेंगे, और अगर वह कहता है कि किसी जगह से तेल मत लो, तो वे नहीं लेंगे। अंततः, देश जिस असुरक्षा का सामना कर रहा है, वह पूरी तरह से भाजपा की वजह से है। इससे पहले 5 मार्च को राहुल गांधी ने कहा था कि आगे तूफानी समुद्र है, क्योंकि भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है। उन्होंने कहा कि ऐसे संकट में प्रधानमंत्री की चुप्पी यह साबित करती है कि कैसे एक समझौतावादी प्रधानमंत्री ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को त्याग दिया है।

गांधी ने एक्स पर लिखा कि दुनिया एक अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुकी है। आगे कठिन परिस्थितियाँ हैं। भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है, क्योंकि हमारे आयात का 40इ से अधिक हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के लिए स्थिति और भी खराब है। संघर्ष हमारे पड़ोस तक पहुँच गया है, हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत डूब गया है। फिर भी प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि अधिनियम लागू करने से प्राकृतिक गैस वितरण के लिए एक स्पष्ट प्राथमिकता सूची तैयार हो गई है, जिससे वर्तमान आपूर्ति संबंधी बाधाओं का प्रबंधन किया जा सके।

एआई समिट प्रोटेस्ट के सूत्रधार राहुल गांधी? बीजेपी का बड़ा हमला, बताया देश का गद्दार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और उन्हें एआई इम्पैक्ट समिट में यूथ कांग्रेस के 'शर्टलेस' विरोध प्रदर्शन का सूत्रधार बताया। राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संबित पात्रा ने राहुल गांधी के कर दिया काम यूथ कांग्रेस वालों ने वाले बयान पर तंज कसा। भाजपा नेता ने कहा कि ओबीसी कांग्रेस महिला राष्ट्रीय शाखा के सम्मेलन में गांधी की टिप्पणी से यह साबित होता है कि वही इस विरोध प्रदर्शन के सूत्रधार थे। पात्रा ने कहा कि जब भारत मंडपम में एआई समिट का आयोजन हुआ, जहां कई देशों के प्रतिनिधि आए और भारतीय नवप्रवर्तकों ने सेमिनार आयोजित किए। यह लहर उठी कि भारत एआई की दुनिया में एक चमकता सितारा है। हालांकि, यूथ कांग्रेस के नेताओं ने प्रदर्शन किया और भाजपा ने इसे शर्टलेस, बेवकूफी भरा और बेशर्म विरोध प्रदर्शन करार दिया। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि एक प्रयोग था। तब भी हमने कहा था कि इसके पीछे राहुल गांधी का हाथ था। उन्होंने आगे कहा कि कल राहुल गांधी ने खुद इसे स्वीकार किया और गद्दार की तरह हँसे। जब राहुल गांधी ने घोषणा की कि हमने एआई शिखर सम्मेलन पूरा कर लिया है, तो उनके चेहरे पर मीर जाफर जैसी मुस्कान साफ दिखाई दे रही थी। कल यह साबित हो गया कि भारत को बदनाम करने और अपमानित करने के पीछे राहुल गांधी का ही हाथ था। यह सब सोरोस के गैराज से निकला और राहुल गांधी के घर तक पहुँच गया। यह घटना राहुल गांधी द्वारा सोमवार को ओबीसी कांग्रेस महिला राष्ट्रीय शाखा के सम्मेलन में युवा कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन का समर्थन करने के बाद सामने आई है। पिछले महीने भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा बिना शर्ट के विरोध प्रदर्शन करने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। इस मामले में हाल ही में एक नया घटनाक्रम सामने आया है, जिसमें पटियाला हाउस कोर्ट ने भारतीय युवा कांग्रेस के तीन कार्यकर्ताओं, दिव्यांश गिरधर, भूदेव शर्मा और कुबेर मीना की जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

लापरवाह अफसरों पर गिरी गाज जिलाधिकारी ने रोका वेतन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अनुपस्थित पाए जाने पर बाल विकास परियोजना अधिकारी (नगर) एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी (सिराथू) का वेतन रोकने तथा स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए गए।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों से निजी भवनों में संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों को सरकारी भवनों में स्थानांतरित कराने की स्थिति की जानकारी प्राप्त की और सम्बन्धित उप जिलाधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी से समन्वय कर यह कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आँगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति संतोषजनक न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी अधिकारियों को उपस्थिति बढ़ाने के कड़े निर्देश दिए। कार्य में लापरवाही पाए जाने पर बाल विकास परियोजना अधिकारी कड़ा का भी वेतन रोकने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि लाभार्थियों का शत-प्रतिशत फेस कैप्चरिंग का कार्य पूर्ण कराया जाए तथा इसी के माध्यम से पुष्टाहार वितरण सुनिश्चित हो। पोषण पुनर्वास केन्द्र में फरवरी माह में केवल 15 अति कुपोषित बच्चों के भर्ती पाए जाने पर भी उन्होंने असंतोष व्यक्त किया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि पोषण पुनर्वास केन्द्र में अति कुपोषित बच्चों के भर्ती होने पर माता को प्रतिदिन एक सौ रुपये की दर से 14 दिन तक भर्ती रहने पर एक हजार चार सौ रुपये दिए जाने का प्रावधान है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी शालिनी रंजन, जिला पूर्ति अधिकारी मंगेश कुमार मौर्य व जिला पंचायतराज अधिकारी अनिल कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महापौर और नगर आयुक्त ने पुनरीक्षित बजट पेश किया सभासदों ने अपने क्षेत्रों की समस्याओं को गिनाया

वार्डों में अभी तक हुए कार्यों पर हुई चर्चा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नगर निगम में आज महापौर ने बजट पेश किया जिसमें शहर के शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों के योजनाओं का लाभ होगा नगर आयुक्त, श्री सीलम साईं तेजा जी नगर निगम के अपने अपने सभी विभागों के अधिकारीगण के साथ उपस्थित रहे ।

सदन में महापौर गणेश केशरवानी और सभी वार्ड के सभासद एवं सभी जोन के अधिकारीगण भी बजट में शामिल हुए इस दौरान नगर निगम के अपने क्षेत्र से आए पार्षदगणों ने अपनी-अपनी बात रखी जिसमें शिकायतो में पेयजल तथा सड़क-नाली निर्माण तथा अतिक्रमण, नालों और नालियों की साफ-सफाई जाम नालियों की समस्या मरम्मत या निर्माण कार्य करने को चबूतरे, पेयजल, शौचालय/यूरिनल, जल की समस्याओं, हाउस टैक्स तथा नगर की सड़कों पर सफाई की व्यवस्था किये जाने की चर्चा हुई इसी क्रम में साफ-सफाई मार्ग प्रकाश, मलवा, अतिक्रमण जैसी समस्या को तत्काल निस्तारण का आदेश को दिया

सदन में अपर नगर आयुक्त दीपेन्द्र यादव, अरविन्द कुमार रॉय, राजीव कुमार शुक्ला दिनेश चंद्र सचान मुख्य अभियंता (सिविल), संजय कटियार मुख्य अभियंता (वि./या.), डाद महेश कुमार नगर स्वास्थ्य अधिकारी, गौरव कुमार महाप्रबंधक जलकल, संजय मंमगई मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, डाद विजय अमृत राज पशु चिकित्सा कल्याण विभाग , रामपूजन सहायक नगर आयुक्त अशोक कुमार जोनल अधिकारी जोन 1, जोनल अधिकारी जोन 2, नवनीत शंखवार जोन 3, विकास जैन जोन 4, अखिलेश त्रिपाठी जोन 5, श्याम कुमार जोन 6, सौरभ यादव जोन 7, सुदर्शन चंद्र जोन 8 अनिल कुमार मौर्या अधिशासी अभियंता एवं सभी जोनल अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गंगा घाट होगा स्वच्छ और सुंदर हनुमान घाट पर बनेगा विद्युत शवदाह गृह

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने पौधारोपण अभियान-2026 के अन्तर्गत सभी अधिकारियों को दिशा-निर्देशों के अनुसार आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत पौधारोपण की तैयारियाँ समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी को विभागों से कार्ययोजना प्राप्त करने तथा नर्सरियों में फलदार पौधों का अनुपात बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पौधारोपण अभियान में नागरिक समाज को भी शामिल किया जाए तथा नगर पालिका परिषद मंझनपुर में उपवन की स्थापना हेतु विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार कर शीघ्र शासन को भेजा जाए। जिला गंगा समिति की बैठक के दौरान अधिशासी अधिकारी दारानगर को त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित कर गंगा घाट पर गंदगी फैलाने वालों को जागरूक करने एवं जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। समिति सदस्य विनय पाण्डेय के अनुरोध पर हनुमान घाट पर विद्युत शवदाह गृह एवं गंगा आरती सामग्री हेतु भण्डार कक्ष बनाने तथा नवरात्रि पर भव्य कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राशन वितरण में कोई कोताही नहीं जिलाधिकारी ने दिए सख्त निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को पाँच रिक्त उचित दर दुकानों पर नियमानुसार शीघ्र नियुक्ति कराने के निर्देश दिए।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने इलेक्ट्रॉनिक जानकारी अद्यतन एवं अवशेष 11 इकाइयों पर आधार सम्बद्धता में शत-प्रतिशत प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र लोगों को राशन कार्ड से लाभान्वित किया जाए, किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने निर्माणाधीन अन्नपूर्णा भवनों की समीक्षा के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों से समन्वय कर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

24 मार्च को लगेगा वृहद रोजगार मेला, युवक-युवतियों को मिलेगा सुनहरा अवसर

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन की जिला कार्यकारी समिति तथा रोजगार सृजन सम्बन्धी कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान लक्ष्य 29 के सापेक्ष 27 रोजगार मेलों का आयोजन एवं लक्ष्य 48 के सापेक्ष 39 कैरियर परामर्श कार्यक्रम आयोजित पाए जाने पर जिला सेवायोजन अधिकारी को शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए गए।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में लक्ष्य 111 के सापेक्ष 79, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना में लक्ष्य 1700 के सापेक्ष 1604 तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में लक्ष्य 900 के सापेक्ष मात्र 150 की प्रगति पाए जाने पर उपायुक्त उद्योग को शत-प्रतिशत प्रगति लाने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान उपायुक्त को लक्ष्य 4902 के सापेक्ष समूह गठन में गति लाने के भी निर्देश दिए। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि वृहद रोजगार मेले का आयोजन 24 मार्च 2026 को किया जाएगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत, एक दिन में सुलझेंगे बैंक ऋण से पारिवारिक विवाद तक के मामले

कौशाम्बी। जनपद न्यायाधीश जे.पी. यादव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। जनपद न्यायाधीश ने समस्त न्यायिक अधिकारीगण को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों को नियत कर निस्तारित करने के निर्देश दिए। 14 मार्च को दीवानी न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में बैंक ऋण, बिजली बिल, मोटर दुर्घटना दावा एवं पारिवारिक विवाद आदि विभिन्न प्रकार के मामलों का निस्तारण किया जाएगा। जनपद न्यायाधीश ने लोक अदालत को सफल बनाने के लिए सभी सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

स्वच्छता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं जिलाधिकारी ने दिए कड़े निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की बैठक की। व्यक्तिगत शौचालयों की पुनर्निर्माण (रेट्रोफिटिंग) हेतु किए जा रहे सर्वेक्षण की समीक्षा के दौरान विकास खण्ड कौशाम्बी एवं कड़ा में पोस्ट भू-टैगिंग में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए खण्ड विकास अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को शत-प्रतिशत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने व्यक्तिगत शौचालयों के अवशेष 19798 पुनर्निर्माण कार्य भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संसाधन पुनर्चक्रण केन्द्रों के संचालन की समीक्षा के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी को सभी केन्द्रों का संचालन सुनिश्चित बनाए रखने के निर्देश दिए। प्रत्येक विकास खण्ड की चिन्हित पाँच-पाँच ग्राम पंचायतों में घर-घर कूड़ा उठान, उपयोगकर्ता शुल्क एवं प्लास्टिक एकत्रीकरण की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने सामुदायिक शौचालयों के देखभाल कर्मियों के मानदेय का भुगतान समय से सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। जिला पंचायतराज अधिकारी ने बताया कि ग्राम पुरखास में 18 कुन्तल एवं ग्राम टेंवा में 20 कुन्तल प्लास्टिक एकत्र किया जा चुका है तथा गंगा नदी में प्रवाहित 15 नालों को टैप किए जाने की कार्ययोजना भी तैयार कर ली गई है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गर्मी से पहले गौशालाओं की तैयारी लापरवाह अधिकारियों का वेतन रोका

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में गोसंरक्षण के सम्बन्ध में जिलास्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को गौशालाओं में बंद परिपथ दूरदर्शन कैमरों की क्रियाशीलता एवं भूसा-चारे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित बनाए रखने के निर्देश दिए। विकास खण्ड कड़ा व कौशाम्बी में गौशालाओं के लिए चिन्हित चारागाह भूमि पर चारे की बुआई कम पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए खण्ड विकास अधिकारी कड़ा एवं कौशाम्बी का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन गौशालाओं में वर्षा ऋतु में जल-जमाव की समस्या होती है, वहाँ जल निकासी की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने गर्मी के दृष्टिगत सभी गौशालाओं में आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस टीम द्वारा महिला सुरक्षा को लेकर ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा तथा थानाध्यक्ष चंद्रकांत पाण्डेय थाना त्रिलोकपुर के कुशल नेतृत्व में थानाक्षेत्र के ग्राम सभा डोकम अमाया मे मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक तालीमउद्दीन खान , कांस्टेबल सत्य प्रकाश यादव, महिला कांस्टेबल प्रीती द्वारा साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण,साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन,108एम्बुलेंस हेल्प लाइन,101अग्निशमन हेल्प लाइन,14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की हुई बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (डी0एच0एस0) एवं स्वास्थ्य विभाग से संबधित योजनाओ की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा समीक्षा के दौरान आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति कम पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। प्रगति लाकर लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी को क्षेत्र भ्रमण करने हेतु निर्देश दिया। इसके साथ ही साथ आयुष्मान सेन्टर समय से खुले। जिलाधिकारी ने समस्त एमओआईसी को निर्देश दिया कि जो आशा डिलीवरी नही करा रही है उन्हें चिन्हित कर नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी एमओआईसी सुनिश्चित कर ले कि डिलीवरी घर पर नहीं होना चाहिए। सभी गर्भवती महिलाओ का प्रसव अस्पताल में ही हो। घर पर प्रसव होने पर एमओआईसी जिम्मेदार होगे। एनबीएसयू को 24 घंटे सक्रिय करें जिससे कोई भी गर्भवती महिला व उसके परिजन

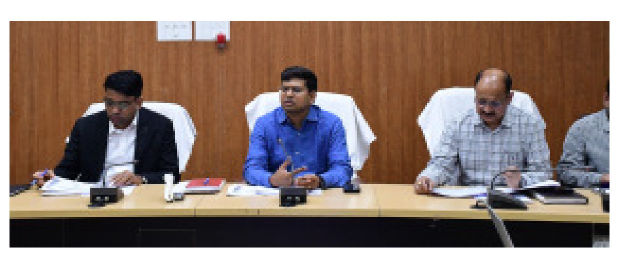

सम्पर्क कर सहायता प्राप्त कर सकें। सभी एमओआईसी वार रूम का निरीक्षण करें। बीएचएनडी दिवस में कम एचआरपी वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनका बेहतर इलाज कराये और सावधानियां बरतने का सलाह दें। बीएचएनडी दिवस में सभी लोग जाये। एएनएम, आशा व सीएचओ को सभी प्रकार किट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बीएचएनडी दिवस में एएनएम व सीएचओ मिलकर कार्य करें। काम न करने वाले डाक्टर/सीएचओ/आशा/एएनएम को नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। टीकाकरण का लक्ष्य पूर्ण करते हुए शत-प्रतिशत डाटा फीडिंग कराने का निर्देश दिया। फीडिंग में सही मोबाइल नम्बर लिखे। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिए। एएनएम और आशा के साथ बैठक करें। कार्य न करने वाली आशा व सीएचओ के विरूद्ध कार्यवाही करने का निर्देश दिया। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन द्वारा अनटाइड फन्ड, परिवार नियोजन, टीकाकरण अभियान, पी0सी0पी0एन0डी0टी0, रोगी कल्याण समिति, हेल्थ वेलनेस सेन्टर, आदि की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने समस्त प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी मरीज को परेशान न किया जाये। सभी विकास खण्डों में पब्लिक नोटिफिकेशन में लक्षण युक्त टी.बी. के मरीजो को चिन्हित करे। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया कि वार रूम का निरीक्षण करे। इमरजेंसी में रेफरल रजिस्टर बनाने का निर्देश दिया। इस बैठक में उपरोक्त के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रजत कुमार चौरसिया, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, डैम राजेश मिश्रा, डी0सी0पी0एम0, समस्त सीएचसी/पीएचसी के एम0ओ0आईसी0, बीपीएम, बीसीपीएम, आदि उपस्थित थे।

पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित आरोपित को पुलिस ने भेजा जेल

बांसी। कोतवाली बांसी पुलिस ने पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में वांछित चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दू सिंह के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने बाजारडीह नहर पुलिया के पास से खुर्शीद पुत्र नसीबुल्लाह निवासी मरवटिया चैनपुर, थाना कोतवाली बांसी को गिरफ्तार किया। आरोपित के खिलाफ कोतवाली बांसी में मु0अ0सं0 35,2026 के तहत धारा 64(2)(एम), 137(2), 87, 351(3) बीएनएस व 5(एल),6 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज है।पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद आरोपित को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया ।

श्री श्री शतचंडी महायज्ञ में हजारों श्रद्धालुओं ने निराली भव्य कलश यात्रा

सिद्धार्थनगर। जिले के नौगढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम धौरीकुइयाँ स्थित श्री समय माता मंदिर में आयोजित नव दिवसीय श्री श्री शतचंडी महायज्ञ का भव्य शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। इस अवसर पर हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने सिर पर कलश धारण कर धौरीकुइयाँ से सोहास तक पदयात्रा करते हुए भव्य कलश यात्रा निकाली। पूरे क्षेत्र में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला।कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक श्यामधनी राही द्वारा विधि-विधान से आरती एवं पूजन कर किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि सत्यप्रकाश राही, लोटन ब्लॉक प्रमुख आशीष सिंह, उसका ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राम भरोसे चौहान, नितेश पाण्डेय, प्रधान संघ अध्यक्ष गंगा मिश्रा, राम निवास यादव, सुनी पाण्डेय, सोनू लोधी,रवि पाण्डेय, बबलू पाण्डेय, अर्जुन लोधी, ओम प्रकाश गुप्ता, अनिल चौधरी, श्यामनंदन लोधी, संजय सहानी, सतीश वर्मा, मिथुन यादव, प्रधान विशंभर यादव, दूधनाथ यादव, सौरभ पाण्डेय,सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग एवं हजारों की संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा स्कूली बच्चों को महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ के कुशल नेतृत्व में थाना क्षेत्र के ग्राम महला के कंपोजिट अपर प्राथमिक विद्यालय में मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक राजकुमार यादव, महिला कांस्टेबल सीमा यादव, महिला कांस्टेबल शोभा भारती, महिला कांस्टेबल साक्षी सिंह, महिला कांस्टेबल जूही सिंह द्वारा साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण,साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन,108एम्बुलेंस हेल्प लाइन,101अग्निशमन हेल्प लाइन,14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2026 में कैनकिड्स और सलाम बॉम्बे के बच्चों को मिला खास फैन मोमेंट

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अपनी फैन फर्स्ट सोच को मंच से आगे बढ़ाते हुए सीधे दर्शकों के दिलों तक पहुंचाने के मकसद से मारुति सुज़ुकी प्रेज़ेंट्स 24वें ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2026 ने इस साल एक खास पहल की। देखना न भूलें मारुति सुज़ुकी प्रेज़ेंट्स 24वें ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2026, 15 मार्च को सिर्फ ज़ी सिनेमा, ज़ी टीवी और ज़ी5 पर।

मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम छपवा मे बलिकाओ और महिलाओं को पुलिस ने किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बाँसी शुभेंदु सिंह तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र थाना खेसरहा के कुशल नेतृत्व में थानाक्षेत्र के ग्राम छपवा मे मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक जियाउल्लाह, उप निरीक्षक चंद्रिका प्रसाद मौर्य, महिला कांस्टेबल अंजली यादव द्वारा साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण,साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन,108एम्बुलेंस हेल्प लाइन,101अग्निशमन हेल्प लाइन,14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

मंडलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक संपन्न
उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में मंडलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं उद्यमियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति देने, निवेश को प्रोत्साहित करने तथा उद्यमियों से जुड़ी समस्याओं के समयबद्ध समाधान पर चर्चा की गई। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे उद्योगों के संचालन में किसी प्रकार की अनावश्यक बाधा न आए।

बैठक में रोजगारपरक योजनाओं की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 100 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की जाए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराना है, इसलिए संबंधित विभाग इनके क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाएं।

निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि समयसीमा के बाद लंबित सभी मामलों का निस्तारण एक सप्ताह के भीतर किया जाए। उन्होंने कहा कि निवेश प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक है तथा निवेशकों का विश्वास बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों की स्थिति की जानकारी दी गई। मंडल में कुल 16, 663 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 15, 027 का निस्तारण किया जा चुका है। जनपदवार आंकड़ों के अनुसार प्रयागराज में 8, 837, फतेहपुर में 3, 868, प्रतापगढ़ में 2, 305 तथा कौशांबी में 1, 653 प्रकरण दर्ज किए गए।

बैठक के दौरान मंडलायुक्त

द्वारा प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत रोजगार सृजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 4 औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों (श्री सुनील यादव, एच.आर प्रमुख- जय भारत एसोसिएट, श्री सुशील कुमार पांडे, एच.आर प्रमुख- हबीली सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड, श्री उमेश चन्द्र द्विवेदी, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट- सोनाटा फ़ाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, सूबेदार मेजर राम लखन पाल, पार्टनर- गरुड़ा सेक्युर्टी सर्विसेस इलाहाबाद) को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने इन इकाइयों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास क्षेत्र में रोजगार सृजन और औद्योगिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने में सहायक हैं।

उद्यमियों ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए जिस पर मंडलायुक्त ने उनसे कहा कि वे अपने सुझावों को लिखित प्रस्ताव के रूप में उपलब्ध कराएं, ताकि उसे शासन को भेजकर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा सके।औद्योगिक क्षेत्र नैनी में उद्यमियों द्वारा उठाई गई समस्याओं पर भी चर्चा की गई। इस दौरान आर.एम. यूपीएसआईडीए को निर्देशित किया गया कि क्षेत्र में विद्युत पोल शिफ्टिंग से संबंधित कार्य का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि औद्योगिक इकाइयों की गतिविधियां प्रभावित न हों। बैठक में समस्त एलडीएम, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा उद्यमी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन संयुक्त आयुक्त उद्योग श्री अजय कुमार चौरसिया द्वारा किया गया।

मुक्त विश्वविद्यालय में पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन
पुस्तक पढ़ने से विकसित होता है मस्तिष्क-प्रोफेसर सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के केन्द्रीय पुस्तकालय में एक दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का भव्य शुभारम्भ मंगलवार को किया गया। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में पुस्तक पढ़ने की आदत जरूर डालनी चाहिए। जिससे मानस पटल विकसित होता है तथा व्यक्तित्व में गंभीरता आती है। डिजिटल युग में लोगों में पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति कम हो रही है जो कि चिंता जनक है। लोगों में पुस्तक पढ़ने की रुचि जगाने के लिए जगह-जगह पुस्तक मेले लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कई महान साहित्यकारों की पुस्तकों का वर्णन करते हुए कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में इन ग्रन्थों का अध्ययन कर युवा पीढ़ी ज्ञानार्जन कर सकती है।

पुस्तक प्रदर्शनी में आये हुए अतिथियों का स्वागत उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ आर0 जे0 मौर्य ने पुष्प-गुच्छ से किया। इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा एवं विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे। इस

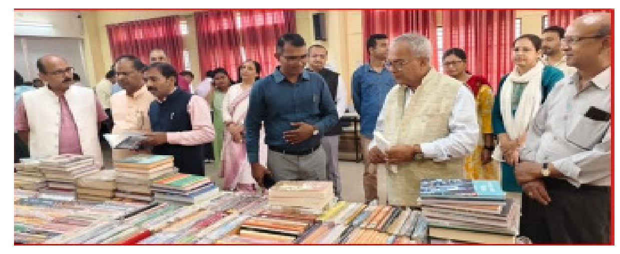

एक दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का आवागमन लगा रहा। पुस्तक प्रदर्शनी में देश-विदेश के प्रतिष्ठित प्रकाशकों/आपूर्तिकर्ताओं ने अपनी स्टाल लगाई।विश्वविद्यालय के पुस्तक प्रेमियों, विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, जिसमें सभी प्रकार की पुस्तकें प्रकाशकों आपूर्तिकर्ताओं द्वारा मेले में प्रदर्शित की गई। पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय पुस्तकालय के लिए निदेशकों, प्राध्यापकों, परामर्शदाताओं, विषय विशेषज्ञों द्वारा पुस्तकों का चयन किया गया। जिनका क्रय पुस्तकालय में किया जायेगा। शिक्षकों एवं छात्रों के अकादमिक दृष्टिकोण से यह पुस्तक मेला अत्यन्त ही लाभप्रद साबित हुआ जिसमें विभिन्न प्रकाशकों की पुस्तकें एक स्थान पर उपलब्ध हो सकी। इस एक दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का समापन सायं 05:00 बजे हुआ।

शैक्षिक गुणवत्ता सुधार पर जोर, एआरपी की समीक्षा बैठक संपन्न
शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए एआरपी की भूमिका महत्वपूर्ण : बीएसए
सभी एआरपी रोस्टर के अनुसार विद्यालयों का करें नियमित भ्रमण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज अनिल कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला परियोजना कार्यालय, मफोर्डगंज स्थित सरस्वती सभागार में जनपद के समस्त एआरपी की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विकासखंडों में संचालित शैक्षिक गतिविधियों तथा विद्यालयों में शिक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए एआरपी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी एआरपी रोस्टर के अनुसार विद्यालयों का नियमित भ्रमण करते हुए शिक्षकों को शैक्षणिक सहयोग प्रदान करें तथा निपुण भारत मिशन के अंतर्गत निर्धारित अधिगम लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित कराएं।

बैठक में विद्यालयों में समय सारिणी के प्रभावी अनुपालन, शिक्षक संदर्शिका के उपयोग, निपुण प्लस ऐप पर आकलन की प्रगति बढ़ाने तथा विद्यालयों में स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं की स्थिति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। साथ ही विद्यालयों में किए

जा रहे उत्कृष्ट नवाचारों एवं बेस्ट प्रैक्टिस को प्रोत्साहित करने पर भी बल दिया गया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने आगामी स्कूल चलो अभियान की तैयारियां प्रारंभ करने तथा अभिभावकों से संपर्क कर अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नए शैक्षिक सत्र के प्रारंभ पर एक अप्रैल को विद्यालयों में पुस्तक वितरण कार्यक्रम समारोहपूर्वक आयोजित करने की बात कही ।

बैठक में राजीव त्रिपाठी (जिला समन्वयक मध्यान्ह भोजन), विकास पांडे (जिला समन्वयक समेकित शिक्षा), अभिनव सिंह (जिला समन्वयक प्रशिक्षण), प्रशांत ओझा, सुनील कुमार तथा जनपद के समस्त एआरपी उपस्थित रहे।

तुलसी' बनकर मंच पर उतरे शेखर सेन
विरासत कला उत्सव में बिखरा भक्ति का रंग
भावपूर्ण अभिनय और 52 संगीत खंडों से सजी प्रस्तुति ने दर्शकों को किया भावविभोर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मंच पर जैसे ही प्रकाश फैला और स्वर गूंजा–मानो समय की परतें खुलने लगीं। दर्शक अचानक पाँच शताब्दियों पीछे पहुँच गए, जहाँ एक संत-कवि की आवाज़ आज भी समाज को दिशा देती है। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा आयोजित 'विरासत कला उत्सव' के पांचवें दिन प्रसिद्ध रंगकर्मी शेखर सेन की एकल नाट्य प्रस्तुति 'तुलसी' ने सभागार को भक्ति, भाव और नाट्य की अद्भुत अनुभूति से भर दिया।

यह प्रस्तुति उस कल्पनात्मक क्षण को जीवंत करती है, जब गोस्वामी तुलसीदास 24 घंटे के लिए पृथ्वी पर आते हैं और अपने जीवन के संघर्ष, भक्ति और सृजन की कहानी स्वयं सुनाते हैं। निर्धनता और उपेक्षा से भरे बचपन से लेकर एक महान कवि-संत बनने तक की यह यात्रा दर्शकों को भावुक भी करती है और प्रेरित भी।

शेखर सेन ने अपनी प्रभावशाली अभिनय क्षमता, संगीत और संवादों के माध्यम से तुलसीदास के व्यक्तित्व को जीवंत कर दिया। नाटक में उस सामाजिक चेतना को भी उभारा गया, जिसमें तुलसीदास ने धर्म के नाम पर हो रहे शोषण का विरोध करते हुए 'रामचरितमानस' की रचना की–एक ऐसी रामकथा जो अवधी भाषा में जनसाधारण के लिए लिखी गई और आज भी घर-घर में श्रद्धा के साथ गाई जाती है।

प्रस्तुति में शामिल 52 संगीत खंडों ने पूरे नाट्य मंचन को अत्यंत जीवंत बना दिया। कई अवसरों पर दर्शक भी इन लोकप्रिय पदों को गुनगुनाते नजर आए और सभागार भक्ति के भाव से सराबोर हो उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर आसीम मुखर्जी (इलाहाबाद विश्वविद्यालय) केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा, उपनिदेशक डॉ. आदित्य श्रीवास्तव, उपनिदेशक (कार्यक्रम) डॉ. मुकेश उपाध्याय तथा कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्जवलन करके किया। केंद्र निदेशक ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर सेवा पर्व के अंतर्गत आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में आगरा के प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

स्कूल वर्ग में प्रतिभा सिंह प्रथम, इल्मा द्वितीय और शिल्पा तृतीय रहीं। कॉलेज वर्ग में मयंक प्रताप प्रथम, राहुल वाल्मीकि द्वितीय और कंचन तृतीय रहीं। वहीं प्रोफेशनल वर्ग में नरेश को प्रथम, हिमांशु सिंह को द्वितीय और अरविंद सिंह को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. शार्दुल मिश्रा (एचओडी, भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय), प्रो. शीतला शर्मा सहित केंद्र के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव 2026 : आज का दिन शिव और शक्ति की ऊर्जा का दिव्य महोत्सव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव 2026 का दूसरा दिन प्रतिभागियों के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा, योग और ज्ञान का समृद्ध अनुभव देने वाला रहा। इस वर्ष महोत्सव में लगभग 1, 500 प्रतिभागी लगभग 80 देशों आये हैं जो भारत की प्राचीन योग परम्परा हठ, अष्टांग, विन्यास, कुंडलिनी, नाड़ी योग, आयुर्वेद, प्राणायाम, ध्यान, पवित्र मंत्र, यज्ञ, गंगा जी दिव्य आरती, सत्संग और भक्ति कीर्तन जैसी विविध परंपराओं को आत्मसात कर रहे हैं।

योग महोत्सव का दूसरा दिन शक्ति-थीम को समर्पित रहा जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान सत्र, वैश्विक योग परंपराएँ, आयुर्वेद सत्र और ड्रम वादक शिवमणि जी के ताल व रूना रिजवी शिवमणि जी के मंत्रमुग्ध कर देने वाले संगीत को समर्पित रहा। महोत्सव की शुरुआत प्राचीन गंगा तट पर योग, ध्यान और आध्यात्मिक अनुभवों से हुई।

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि योग केवल शरीर की साधना नहीं, बल्कि जीवन को बदलने वाली विज्ञान और कला है। यह हमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक त्रिविध संतुलन का अनुभव कराता है। ध्यान के माध्यम से हम अपने अंतरमन की गहराइयों में उतरते हैं, जहाँ शांति और स्थिरता का स्रोत स्वतः जाग्रत होता है।

आज के सत्रों में संगीत और भक्ति का भी महत्वपूर्ण स्थान रहा। रुना रिजवी शिवमणि ने प्रतिभागियों के साथ अपने वास्तविक स्वर को जागृत करें सत्र में भावपूर्ण गायन का अनुभव साझा किया। गुरनिमित सिंह ने थ्रोट चक्र जागरण और मारिया अलेजांद्रा अवचारियन ने दोषों की समझ, तीनों ऊर्जा निकाय विषयक कार्यशालाएँ आयोजित की।

संध्या के समय पवित्र गंगाजी के तट पर ड्रम वादक शिवमणि जी और रूना रिजवी शिवमणि जी के जीवंत व मंत्रमुग्ध कर देने वाले संगीत ने वातावरण को दिव्यता से युक्त कर दिया। परमार्थ निकेतन गंगा आरती, सैकड़ों दीपकों की रोशनी और मंत्रों की गूंज ने वातावरण को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतिभागियों ने भक्ति में झूमकर नृत्य और गरबा के माध्यम से उत्सव मनाया। इसके बाद हृदय के अन्दर प्रवेश करने हेतु कीर्तन, साइमन ग्लोडे और टीम द्वारा ने सभी को सामूहिक भक्ति, गायन और नृत्य में एकत्रित किया।

अंतर्राष्ट्रीय योगाचार्य स्टीवर्ट गिलक्रिस्ट ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्वस शांति और प्रेम को दुनिया में प्रसारित करने के लिये है। जब लोग अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में आते हैं, वे सनातन धर्म और योग का वास्तविक अनुभव कर पाते हैं। परमार्थ निकेतन में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में आयोजित प्रमुख योग की विधायें।

लीला योग, हठ योग, हठ विन्यास योग, विन्यास योग, पावर योग, अष्टांग योग, अयंगर योग, कलारी फ्लो योग, प्राण मंडल विन्यास, सूर्य नमस्कार साधना, सूर्य आराधना, प्राणायाम, प्राणायाम अभ्यास, श्वास विज्ञान, नाड़ी योग, कुंडलिनी ऊर्जा सक्रियण, ध्यान, विशोक ध्यान, कुंडलिनी ध्यान, राज योग ध्यान, हिमालयन मेडिटेशन, मंत्र ध्यान, आध्यात्मिक योग साधनाएँ, कर्म योग, भक्ति योग, कुंडलिनी योग, क्रिया योग, मुद्रा साधना, ध्वनि एवं नाद योग, नाद योग, साउंड हीलिंग, गोंग बाथ, कीर्तन, मंत्र जप, आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य, आयुर्वेदिक जीवनशैली, मार्म चिकित्सा, मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल डिटॉक्स, मस्तिष्क संतुलन, विशेष योग अभ्यास, योग निद्रा, यिन योग, रिस्टोरेटिव योग, चक्र संतुलन योग, पंचकोश साधना आदि अनेक विधाओं का अभ्यास कराया जा रहा है।

नेपाल डिप्टी एम्बेसडर, श्री सुनिल थापा जी, अमेरिका से आयी आयुर्वेद विशेषज्ञ मारिया अलेजांद्रा अवचारियनए एरिका कॉफमैन, दासा दास, सिआना शेरमन, किया मिलर, डॉ. ईडन गोल्डमैन, हर हरि सिंह, टॉमी रोसेन, केटी बी. हैप्पी, शिवा रिया, आनंद्रा जॉर्ज, जय हरि सिंह, ईशान तिगुनैत, क्रिस्टोफर चैपल, सैंड्रा बार्न्स, जेम्स कैसिडी, यूनाइटेड किंगडम, जाह्नवी क्लेयर मिसिंघम, स्टुअर्ट गिलक्रिस्ट, शार्लोट होम्स, स्विट्जरलैंड, जोसफ शिमडलिन, जर्मनी, साइमन ग्लोडे, जापान, साने यामामोटो, डेनमार्क, स्टाइन डुलोंग, चिली, पाउला तापिया, भारत के चीन में रहने वाले, योगाचार्य मोहन भंडारी आदि अनेक विख्यात योगाचार्यों की गरिमामयी उपस्थिति।

प्रसिद्ध कथाकार भूपेन्द्र भाई पण्ड्या जी, प्रसिद्ध प्राणायाम विशेषज्ञ आधुनिक भीम स्वामी जयंती सरस्वती जी, भारत से योगाचार्य साध्वी आभा सरस्वती जी, एच. एस. अरुण, आनंद मेहरोत्रा, डॉ. इंदु शर्मा, गंगा नन्दिनी, गायत्री योगाचार्य, स्वामी सेवानंद सरस्वती, स्वामी भक्तानन्द जी, योगाचार्य आध्या, आचार्य दीपक शर्मा, आचार्य संदीप शर्मा, रोहिणी मनोहर, नीरू कठपाल, डॉ. रूचि गुलाटी, मयंक भट्ट, विनोद, संध्या दीक्षित डॉ. एन. गणेश राव, डॉ. योगऋषि विश्वकेतु, राधिका नागरथ, सेंसेई संदीप देसाई, सुधांशु शर्मा, डॉ. ए. वी. राजू, रामकुमार, डॉ. आनंद बालयोगी भवानी, आनंदी मैरी सेसिल, आशीष गिल्होत्रा, संजय मंचंदा, डॉ. निशी भट्ट, गुरमीत सिंह, डॉ. पद्मा नयनी गाधिराजु, संज हॉल, डॉ. कृष्ण पंकज नरम, अनिश रंगरेज, रुना रिजवी शिवमणि, अरिंदम चक्रवर्ती, योगेश मालवीय, कृष्णप्रिया, दुर्गेश अमोली आदि कई योगाचार्यों का सहभाग।

भारत, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, बेलारूस, बेल्जियम, भूटान, ब्राजील, बुल्गारिया, बुर्किना फासो, कंबोडिया, कनाडा, चाड, चिली, चीन, कोलम्बिया, कोस्टा रिका, क्यूबा, डेनमार्क, इक्वाडोर, फीजी, फ्रांस, जॉर्जिया, जर्मनी, घाना, गुयाना, गिनी-बिसाऊ, इंडोनेशिया, ईरान, आयरलैंड, इजराइल, इटली, जापान, कजाखस्तान, कोरिया, किर्गिजस्तान, लाओस, मलेशिया, मालदीव, मॉरीशस, मेक्सिको, मोल्डोवा, म्यांमार, नेपाल, न्यूजीलैंड, नाइजर, नाइजीरिया, नॉर्वे, ओमान, पेरू, पुर्तगाल, रोमानिया, रूस, सर्बिया, स्लोवाकिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, श्रीलंका, सुरिनाम, स्विट्जरलैंड, सीरिया, ताइवान, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, त्रिनिदाद और टोबैगो, यूक्रेन, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, जाम्बिया, जिम्बाब्वे आदि अनेक देशों के योग जिज्ञासुओं का प्रतिभाग।

महाशक्ति पीठ मां कल्याणी देवी जी का तीन दिवसीय वार्षिक मेला का हुआ शुभारंभ
अष्टमी मेला का मुख्य मेला आज, होगा मां कल्याणी का महाश्रृंगार उत्सव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मां कल्याणी देवी जी का तीन दिवसीय चैत्र अष्टमी का वार्षिकी मेला मां कल्याणी देवी की मां कल्याणी देवी मंदिर के अध्यक्ष पंडित सुशील कुमार पाठक ने आरती के साथ शुभारंभ किया गया इस अवसर पर प्रातः काल से दोपहर 1 बजे तक हजारों महिलाएं एवं पुरूषों ने मां कल्याणी देवी का दर्शन पूजन किया। और शाम 6 बजे मां कल्याणी का मां काली जी के स्वरूप का भक्तों ने दर्शन प्राप्त कर मां के लगाए जयकारे। और रात्रि 11 बजे हजारों की संख्या में आए हुए भक्तो ने मां कल्याणी का श्रृंगार दर्शन किया गया। अध्यक्ष पं सुशील कुमार पाठक ने बताया कि 11 मार्च को अष्टमी तिथि को प्रातः मां कल्याणी मैया कि मंगला आरती की जाएगी और दोपहर 2 बजे तक भक्त गण मां कल्याणी देवी जी का दर्शन पूजन करेंगे और शाम 7: 30 बजे मां कल्याणी का महा श्रृंगार दर्शन और महाआरती की जाएगी तत्पश्चात मां का महाश्रृगांर दर्शन हेतु भक्तों के लिए पट खोल दिया जाएगा ।

महामंत्री पं श्याम जी पाठक ने बताया कि 11 मार्च को अष्टमी दिवश पर मां कल्याणी देवी जी का

महा श्रृंगार संपूर्ण स्वर्ण आभूषणों से और विविध प्रकार के पुष्प, फल, और मेवा से किया जाएगा। इस अवसर पर दूर दूर से हजारों भक्तगण मां कल्याणी को गाजा बाजा के साथ ध्वज निशान अपने मन्नतें पूरी करने के लिए चढांने के लिए आएंगे। और मेले में आयोजित देवी जागरण और लोकगीत के आयोजन में शामिल होंगे। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर मां कल्याणी देवी जी के मंदिर में नवचंडी दुर्गा सप्तशती का पाठ, कुंवारी कन्याओं का पूजन भोजन एवं हवन आदि कार्यक्रम विधि-विधान पूर्वक किया जाएगा।

इस अवसर पंडित श्याम जी पाठक पंडित अनिल कुमार पाठक, राजेश केसरवानी, सुधीर , पंडित महेंद्र तिवारी आदि हजारों भक्तगण उपस्थित रहे।

1113 अभ्यर्थियों की है सूची, 19 तक देना है नियुक्त पत्र
सूची में विसंगति, त्रुटि की दें तुरंत जानकारी, होगी कार्रवाई : सचिव बेसिक

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जूनियर हाईस्कूल के 29334 गणित / विज्ञान सहायक अध्यापकों की भर्ती की अनंतिम चयन / जनपद आवंटन के लिए आज 1113 अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गयी है। इन अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र / पद स्थापन 19 मार्च तक होगा। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेन्द्र कुमार तिवारी ने 29334 गणित / विज्ञान सहायक अध्यापकों की भर्ती की अनंतिम चयन / जनपद आवंटन की सूची जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि गणित - विज्ञान के सहायक अध्यापकों की जारी अनंतिम सूची / जनपद आवंटन की सूची में अगर कोई गडबडी मिलती है तो उसकी जानकारी शीघ्र मुझे दी जाये जिससे कि संबंधित का अभ्यर्थन तुरंत निरस्त किया जा सके। उल्लेखनीय है कि जूनियर हाईस्कूल के गणित, विज्ञान सहायक अध्यापको के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती का आदेश दिया था जिस पर यह भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई है जो 19 मार्च तक अनंतिम चयन / जनपद आवंटन हो सके।

आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में एनएसएस के विशेष शिविर का शुभारम्भ
स्वयंसेविकाएं समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए : पंकज जायसवाल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ आज महाविद्यालय की समस्त पांच इकाई के 250 स्वयंसेविकाओं ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासी निकाय, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने अपने संबोधन में स्वयंसेविकाओं को समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए उनको प्रेरित किया। प्राचार्या प्रो. अर्चना पाठक ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रार्थना से हुआ, जिसके पश्चात स्वयं सेविकाओं ने योग एवं ध्यान किया। इस अवसर पर डॉ. चित्रा चौरसिया ने स्वयंसेविकाओं को लक्ष्य गीत का अभ्यास कराया। इसके उपरांत हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मंच का सञ्चालन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी अधिकारी डॉ. रंजना त्रिपाठी ने किया। डॉ. मुदिता तिवारी ने स्वयंसेविकाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, गतिविधियों एवं उसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। आज नृत्य, गायन एवं कविता पाठ के लिए स्वयंसेविकाओं का चयन किया गया और पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिता के लिए विषय बताया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. रंजना त्रिपाठी, डॉ. दामिनी श्रीवास्तव, डॉ. सुधा कुमारी, डॉ. शिवानी विश्वकर्मा, डॉ. भारती देवी सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।उप प्राचार्या प्रो. इभा सिरोठिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सम्पादकीय

नीतीश कुमार की नई सधी हुई बिहारी चाल के सियासी निहितार्थ

बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड सुप्रीमो नीतीश कुमार राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी हैं। सियासत के चाणक्य श्री कुमार ने भाजपा के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी केंद्रीय राजनीतिक संभावनाओं को उभारने के लिए दिल्ली कूच करने का अप्रत्याशित फैसला लिया है। भले ही उन्होंने राज्यसभा जाने का निर्णय बिहार की राजनीति में अपेक्षित एक बड़े बदलाव के हिस्से के रूप में लिया है, लेकिन यह भी उनकी लंबे समय से चली आ रही एक अधूरी इच्छा को प्रकट/पूरा करता है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, भाजपा के ओबीसीकरण के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्तर पर सवर्णों की भाजपा नीत एनडीए से बेरुखी से उपजी सियासी परिस्थितियों का लाभ उठाने के लिए ही उन्होंने यह नया कदम उठाया है, जिसे एक तीर से कई निशाने के तौर पर देखा जाने लगा है। देश की समाजवादी राजनीति में भी अब उनका कोई निकट प्रतिद्वंद्वी नहीं बचा है। इसलिए गुरुवार, 5 मार्च 2026 को राज्यसभा की सदस्यता हेतु नामांकन दाखिल करने के साथ ही उनका अब नया भविष्य भी जुड़ा है।

समझा जाता है कि नीतीश कुमार की राज्यसभा सदस्यता की पुरानी 'अधूरी हसरत' अब पूरी हो रही है, क्योंकि वे विधानसभा, विधान परिषद और लोकसभा तो रह चुके हैं, लेकिन राज्यसभा नहीं। वहीं, राज्यसभा सदस्य बनने के बाद राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, उपसभापति, कद्दावर केंद्रीय मंत्री बनने की उनकी नई सम्भावनाएं बनेंगी। वहीं राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका बढ़ाने के लिए भी उनका यह कदम देखा जा रहा है, जहां वे बिहार, सामाजिक न्याय और विकास मुद्दों पर प्रभाव डाल सकें।

राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि भाजपा की सलाह पर यह निर्णय लिया गया लगता है, क्योंकि 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी (89 सीटें) बन गई है। इससे बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बनना आसान हो सकता है, जबकि नीतीश के बेटे निशांत को डिप्टी सीएम बनाए जाने की चर्चा है। हालांकि, जदयू में उनके इस फैसले पर असंतोष है, लेकिन इसे उनका व्यक्तिगत निर्णय बताया जा रहा है। वहीं विपक्ष इसे बीजेपी का 'मास्क' हटाने का प्रयास मान रहा है। इससे राजद को पुनः सियासी ऑक्सीजन मिल सकता है। यूँ तो नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार के नए मुख्यमंत्री की घोषणा अभी स्पष्ट रूप से नहीं हुई है, क्योंकि यह प्रक्रिया राज्यसभा चुनाव के परिणाम (16 मार्च 2026) के बाद शुरू होगी। एनडीए में बीजेपी का सबसे बड़ा दावा माना जा रहा है, क्योंकि उनके पास 89 विधायक हैं।

हालांकि, संभावित उम्मीदवार के तौर पर सम्राट चौधरीः वर्तमान डिप्टी सीएम और भाजपा विधायक दल नेता, जिनकी दावेदारी सबसे मजबूत है। उनके पास गृह मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग हैं और राजनीतिक अनुभव समृद्ध है। वहीं, विजय कुमार सिन्हाः उपमुख्यमंत्री व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, आक्रामक शैली के लिए जाने जाते हैं, लेकिन सम्राट से थोड़ा पीछे हैं। वहीं नित्यानंद रायः केंद्रीय मंत्री, ँव्ङ्ग से प्रमुख नाम हैं, लेकिन नया चेहरा भी संभव है। अन्य चर्चाएंओं में नीतीश के बेटे निशांत कुमार को डिप्टी सीएम बनाए जाने की संभावना है, क्योंकि उनका कोई स्वतंत्र चुनावी आधार नहीं है।

जदयू नेता विजय चौधरी ने पुष्टि की कि भाजपा से ही मुख्यमंत्री बनेगा। यह बदलाव एनडीए की आंतरिक रणनीति का हिस्सा लगता है। इससे भी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रभावित होगा। वहीं, निशांत कुमार को डिप्टी सीएम बनाने का विचार मुख्य रूप से नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए उठाया जा रहा है। वे लो-प्रोफाइल जीवन जीते रहे हैं, लेकिन पिता के राज्यसभा जाने के बाद जदयू में उनकी एंट्री तय मानी जा रही है।

जहां तक राजनीतिक रणनीति की बात है तो नीतीश के राष्ट्रीय स्तर पर जाने से बिहार में भाजपा को मुख्यमंत्री पद मिलेगा, जबकि निशांत को डिप्टी सीएम बनाकर जदयू का प्रभाव कायम रहेगा। हालांकि एनडीए की बैठक में इस पर मुहर लगने की चर्चा है, जो सत्ता समीकरण को संतुलित करेगी। वहीं निशांत अब तक सियासत से दूर रहे, लेकिन उनकी नियुक्ति पिता की लंबी राजनीतिक यात्रा को आगे बढ़ाने का प्रयास है। यह कदम जदयू कार्यकर्ताओं को एक नया चेहरा देकर पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से है। इसके अलावा मोदी के हनुमान लोजपा कोटे से केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की सियासत को चमकाने के लिए भी यह नया फेरबदल संभावित प्रतीत होता है।

एआइ की दौड़ में कौन जीतेगा शक्ति की बाजी बदलती वैश्विक ताकत का नया समीकरण

चौथी औद्योगिक क्रांति के इस दौर में कृत्रिम मेधा (एआइ) केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं रह गई है, बल्कि यह उत्पादन, शासन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की केंद्रीय शक्ति बनती जा रही है। स्वचालन, मशीन लर्निंग और डेटा विश्लेषण पर आधारित प्रणालियां विनिर्माण से लेकर सेवा क्षेत्र तक उत्पादकता की प्रकृति बदल रही हैं। सैन्य क्षेत्र में स्वायत्त प्रणालियां, खुफिया विश्लेषण और निगरानी तकनीक रणनीतिक क्षमता को प्रभावित कर रही हैं। साइबर सुरक्षा में हमलों की पहचान और रोकथाम के लिए एआइ आधारित तंत्र अनिवार्य होते जा रहे हैं।

इन सभी आयामों का मूल तत्त्व है डेटा और उसे संसाधित करने की क्षमता। कृत्रिम मेधा को अब केवल साफ्टवेयर के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह ऊर्जा, तेल या सेमीकंडक्टर की तरह एक रणनीतिक संसाधन का रूप ले चुकी है। जिस इकाई के पास उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना, विशाल डेटा भंडार और उन्नत 'एल्गोरिद्म' क्षमता है, वह आर्थिक और सामरिक निर्णयों पर प्रभाव डाल सकती है। इस बदलते परिदृश्य में शक्ति का पारंपरिक संतुलन केवल सैन्य या भौगोलिक कारकों से निर्धारित नहीं होगा, बल्कि तकनीकी दक्षता और डिजिटल अवसंरचना भी उसकी दिशा तय करेगी।

अब कृत्रिम मेधा का प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। विनिर्माण, साजो-सामान, स्वास्थ्य और वित्त जैसे क्षेत्रों में एआइ आधारित स्वचालन तथा विश्लेषण से उत्पादकता में वृद्धि दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की रपटें यह बताती हैं कि डेटा विश्लेषण एवं मशीन 'लर्निंग' से निर्णय प्रक्रिया तेज होती है और संसाधनों का उपयोग अधिक कुशल बनता है। इससे पूंजी निर्माण की प्रकृति भी बदल रही है। पारंपरिक भौतिक संपत्तियों की तुलना में अब डेटा, एल्गोरिद्म और कंप्यूटिंग क्षमता नई पूंजी के रूप में उभर रहे हैं।

इस परिवर्तन का एक महत्त्वपूर्ण आयाम सेमीकंडक्टर उद्योग और 'क्लाउड' अवसंरचना है। उन्नत चिप निर्माण और उच्च क्षमता वाले डेटा सेंटर एआइ विकास की आधारशिला हैं। जिन देशों और कंपनियों के पास अत्याधुनिक चिप डिजाइन, विनिर्माण क्षमता और वैश्विक क्लाउड नेटवर्क हैं, वे तकनीकी मूल्य श्रृंखला के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रण बनाए रखते हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था में कुछ बड़े वैश्विक मंचों का केंद्रीकरण यह दर्शाता है कि डेटा और नेटवर्क प्रभाव से बाजार संरचना सिमट सकती है।

जाहिर है, जिनके पास उन्नत एआइ माडल, व्यापक डेटा संसाधन और उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना है, वही वैश्विक मूल्य श्रृंखला के निर्णायक बिंदुओं पर प्रभाव रखते हैं। इससे आर्थिक शक्ति की पारंपरिक परिभाषा का विस्तार हुआ है, जिसमें तकनीकी क्षमता और डिजिटल नियंत्रण केंद्रीय तत्त्व बनते जा रहे हैं। इस आर्थिक संरचना ने तकनीकी कंपनियों की भूमिका को भी असाधारण रूप से विस्तारित किया है।

एआइ के विकास ने बड़ी तकनीकी कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली भूमिका प्रदान की है। उनके मंच, क्लाउड नेटवर्क और उन्नत एआइ माडल करोड़ों उपयोगकर्ताओं, वित्तीय लेन-देन और सूचना प्रवाह को संचालित करते हैं। इस कारण उनकी नीतियां और तकनीकी निर्णय अनेक देशों की अर्थव्यवस्था, मीडिया संरचना और यहां तक कि सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित कर सकते हैं। मगर यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि ये कंपनियां पूर्णतः स्वायत्त इकाइयां नहीं हैं। वे राष्ट्रीय कानूनों, डेटा संरक्षण नियमों, प्रतिस्पर्धा आयोगों और निर्यात नियंत्रण व्यवस्थाओं से बंधी रहती हैं।

अमेरिका और चीन के बीच चल रही तकनीकी प्रतिस्पर्धा इसका स्पष्ट उदाहरण है। उन्नत एआइ चिप और सेमीकंडक्टर उपकरणों के निर्यात पर लगाए गए नियंत्रण यह दर्शाते हैं कि अंतिम नियामक शक्ति अभी भी राष्ट्र-राज्य के पास है। इसी प्रकार यूरोप में डिजिटल बाजार कानून और डेटा संरक्षण विनियम तकनीकी कंपनियों के संचालन पर प्रभाव डालते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि निगमित शक्ति और राज्य शक्ति के बीच सीधा प्रतिस्थापन नहीं, बल्कि एक जटिल अंतर-संबंध विकसित हो रहा है।

वर्तमान परिदृश्य में यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि निगमित और राज्य के बीच शक्ति संतुलन का नया समीकरण बन रहा है। तकनीकी नवाचार और पूंजी निगमित संरचनाओं में केंद्रित हैं, जबकि वैधानिक अधिकार और सामरिक नीति निर्माण राष्ट्र या राज्य के हाथ में है। भविष्य की कृत्रिम मेधा इसी अंतःक्रिया से आकार ले सकती है, जहां तकनीकी क्षमता और राजनीतिक संप्रभुता एक-दूसरे को प्रभावित करती रहेंगी।

एआइ का सैन्य और रणनीतिक आयाम इस विमर्श को और गंभीर बनाता है। अनेक देश स्वायत्त या अर्ध स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर शोध कर रहे हैं, जिनमें लक्ष्य पहचानने, निगरानी और निर्णय में सहायता के लिए मशीन लर्निंग आधारित प्रणालियां प्रयोग में लाई जा रही हैं। रक्षा विश्लेषण और खुफिया जांच में एआइ आधारित डेटा प्रोसेसिंग से विशाल सूचना का त्वरित आकलन संभव हुआ है। इससे युद्ध क्षेत्र की समझ और प्रतिक्रिया समय, दोनों प्रभावित होते हैं।

जटिल साइबर हमलों की पहचान, नेटवर्क असमानताओं का विश्लेषण और स्वचालित रक्षा तंत्र अब एल्गोरिद्मिक प्रणालियों पर आधारित हैं। दूसरी ओर, आक्रामक साइबर क्षमताओं में भी स्वचालित उपकरणों का उपयोग बढ़ रहा है, जिससे डिजिटल अवसंरचना रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गई है।

इसके साथ ही निगरानी प्रणालियों और डेटा विश्लेषण के माध्यम से राज्य अपनी आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक गतिविधियों पर अधिक व्यापक नियंत्रण स्थापित कर सकते हैं। चेहरा पहचान तकनीक, व्यवहार विश्लेषण और संचार निगरानी जैसी व्यवस्थाएं सार्वजनिक नीति और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन का प्रश्न उठाती हैं। इस प्रकार कृत्रिम मेधा केवल आर्थिक शक्ति का साधन नहीं, बल्कि सैन्य और सामरिक संरचना का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है, जो वैश्विक शक्ति संतुलन की दिशा को प्रभावित कर सकता है।

वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत की स्थिति विशिष्ट है। पिछले एक दशक में देश ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का एक ऐसा माडल विकसित किया है, जिस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित हुआ है। आधार, यूपीआइ और डिजिटल पहचान तंत्र ने सेवा वितरण, वित्तीय समावेशन और पारदर्शिता में संरचनात्मक बदलाव किया है।

यह ढांचा एआइ अनुप्रयोगों के लिए एक आधार प्रदान करता है, क्योंकि बड़े पैमाने पर डिजिटल लेन-देन और डेटा प्रवाह नवाचार की संभावनाएं खोलते हैं। इसके साथ ही डेटा संप्रभुता का प्रश्न गंभीर होता जा रहा है। यदि भारतीय नागरिकों और संस्थानों से उत्पन्न डेटा का विश्लेषण और मूल्य सृजन किसी विदेशी मंच पर केंद्रित रहता है, तो आर्थिक लाभ और रणनीतिक नियंत्रण दोनों सीमित हो सकते हैं। इसलिए यह बहस केवल गोपनीयता की नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक हित से भी जुड़ी हुई है।

समकालीन विश्व व्यवस्था एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां शक्ति की परिभाषा विस्तार ले रही है। पारंपरिक रूप से सैन्य क्षमता और क्षेत्रीय प्रभाव को शक्ति का प्रमुख आधार माना जाता रहा है, मगर अब डेटा, एल्गोरिद्म और उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना भी उसी श्रेणी में शामिल हो चुके हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे एआइ को केवल बाजार शक्ति या सीमित निगमित हित का साधन बनने से कैसे रोकें।

पारदर्शिता, नियमन, प्रतिस्पर्धा नीति और सार्वजनिक निवेश के माध्यम से एआइ को व्यापक सामाजिक हित में रूपांतरित किया जा सकता है। यदि ऐसा संतुलन स्थापित होता है, तो तकनीकी प्रगति लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ कर सकती है। अन्यथा शक्ति का केंद्रीकरण नई असमानताओं को जन्म दे सकता है।

मौन की नदी, आधुनिक समाज में रिश्तों, संवेदनाओं और सामाजिक न्याय का संकट

समय की बूढ़ी हथेली से फिसलता हुआ सत्य आज जिस मोड़ पर खड़ा है, वहां विजय-गाथा के कथानक युगबोध के छल में कैद हो चुके हैं। रसातल में दबे हुए यथार्थ और रश्मियों के स्वप्निल गीतों के बीच एक गहरा सन्नाटा पसरा है, जो मौन की ठंडी नदी की तरह समाज की रग-रग में बह रहा है। जब वर्जनाएं शिशिर की तरह इतिहास को थाम लेती हैं, तब केवल प्रकृति नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की चेतना भी जम जाती है। थरथराती हुई टहनियों पर लदी हिम की सुगंध दरअसल उस ठिठुरते हुए जनमानस की तरह है, जिसका इतिहास बर्फ के नीचे सहमकर और दबकर चेतना से शून्य हुआ जाता है।

शोर को गीत में बदलने की छटपटाहट और उमस से भरे दम घोंटते दिनों के बीच लयों का नवनीत खोजना ही वह संघर्ष है, जो मानवीय संबंधों को फिर से परिभाषित करता है। संबंधों की ऊष्मा जब नेह भीगी रागिनी में तब्दील होती है, तभी समाज का कसैलापन स्निग्धता से आच्छादित प्रीत में बदल पाता है। मगर आज के परिवेश में मानवीय संबंधों की स्थिति उस पंख टूटी सांझ की तरह हो चली है, जो वन में भटककर खो गई है।

समय की हथकड़ी पहने हुए लोग जब निर्वासन पर निकलते हैं, तो परिचय की चूड़ियां पहले ही टूटकर बिखर जाती हैं। स्मृतियों की परत पर जमी हुई दूरियां जब तक सांसों में उभरती हैं, तब तक संवाद के विहग अनजान नभ में उड़ जाते हैं।

ऐसे में सामाजिक न्याय का प्रश्न तब और गहरा हो जाता है, जब कथा जन-अभिषेक की हर बार अधूरी रह जाती है। संकल्प की छिदती हुई त्वचा और गरलदंतों के प्रहार से सत्ता और व्यवस्था के नागपाशों मंज केवल कल्पनाएं ही नहीं, बल्कि मनुष्य का आत्मसम्मान भी जकड़ कर चेतनाहीन हुआ है। सिसकते हुए सीवानों पर गांव दर गांव का जो दर्द पसरा है, वह इसी सामाजिक विषमता की उपज है, जहां रश्मियों के गीत स्वप्निल राख की ढेरी बनकर रह गए हैं।

क्षितिज पर दो रश्मि की ऋचाएं टांकने की कोशिशें उन धुंधली दिशाओं में रास्ता खोज रही हैं, जहां काजल नहीं बुहरा है और अंधेरों की दीवारें बहुत ऊंची हो गई हैं। देहरी का पथरा जाना और रोशनी की बाट जोहते-जोहते आंखों का कुहरा जाना उस लंबी प्रतीक्षा का प्रमाण है, जो एक न्यायपूर्ण समाज की स्थापना के लिए की जा रही है। सलीबों पर टंगे फूलों और भीड़ के पहियों तले कुचले हुए पंखों का कुहरा स्पष्ट करता है कि व्यवस्था की चक्की में कोमल न्याय की मानवीय संवेदनाएं पिस कर रह गई हैं। पांव और पंख के बावजूद मंजिल का न दिखना उस संवेदनहीन शून्यता को दर्शाता है, जहां आधुनिक मनुष्य अपने ही बनाए तंत्र में लगभग पराया हो गया है। यहां युग-यती का सो जाना और नेकी-नदी को भूल जाना उस नैतिक पतन का परनाला है, जो हमारे समाज के लिए आत्मघाती बनता जा रहा है।

ऐसे में मानवीय संबंधों के सृजन की प्यास ही वह एकमात्र तत्त्व है, जो इस बिखराव को जोड़ सकती है। जो गीत कल मेज पर अधलिखा छोड़ दिया गया था, उसमें नया छंद जोड़ना दरअसल टूटे हुए मानवीय संबंधों को फिर से युवा करने की प्रक्रिया है। अगर इसी को पहचान लिया जाए, इसी को थोड़ा बचा लिया जाए, तो उम्मीद की रोशनी एक बार फिर जिंदगी का जरिया बन सकती है।

चांदनी की गंध से आकाश को भरने का स्वप्न तब तक पूरा नहीं हो सकता, जब न्याय के सहारे खड़ा होकर मौन वाचाल हो जाए। कुमुदिनी-सा खिला हुआ देह का छवि-ताल और चुप्पियों के पास सजे संबोधन ही वे सेतु हैं, जो व्यक्ति को समाज से जोड़ते हैं।

जब शब्द खो जाते हैं और अनसुनी, अनकही कहानी शेष रह जाती है, तब कल्पना-सी रातरानी की तरह स्मृतियां ही पास आकर सटती हैं।

सामाजिक न्याय का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब धधकते विद्रोह के स्वर बर्फ के नीचे से निकलकर मुखर हों और सरिता की तरंगों पर रागिनी का कुमकुम फिर से रचा जाएगा। विकास की अंधी दौड़ में जो पांव थक चुके हैं और जो पंख नागपाशों में जकड़े हुए हैं, वहां भूखे को न्याय के निवाले चाहिए।

आधुनिकता के नाम पर जो संबंध कल मेज पर अधलिखे छोड़ दिए गए थे, आज वे अपनी पहचान के लिए छटपटा रहे हैं। विडंबना यह है कि जिन संबंधों से दूरी या उनका अभाव हमें अक्सर परेशान करता है, हम उसे फिर से हासिल करना चाहते हैं, लेकिन आधुनिक जीवन की नई परिभाषाएं हमें अपने खोखले दायरे पर ही गर्व करना सिखा चुकी होती हैं।

ज्योतिपंख गीत जब तक मौन रहेंगे, तब तक दिशाएं धूमिल ही रहेंगी। मानवीय संवेदनाओं का घायल पोर आज यह सवाल पूछता है कि क्या सृजना की यह थरथराहट केवल दर्द तक सीमित रहेगी या फिर यह किसी नए वसंत की आहट बनेगी।

मौन की ठंडी नदी और धूप से दहके हुए दिन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक ओर जहां पंख टूटी सांझ वन में भटककर खो जाते हैं, दूसरी ओर क्रांतिवाही स्वर बर्फ के नीचे दबकर भी अपनी गर्मी नहीं खोते। यह पूरा परिवेश उस सृजनात्मक संघर्ष का है, जहां स्मृतियों के गलियारे में पारे की तरह फिसलता सत्य अपनी पहचान ढूंढ़ रहा है। ऐसे में संकल्प ही जीवन की सार्थकता है कि किस प्रकार भीतरी स्निग्धता से बाहरी कोलाहल को शांत किया जाए और किस प्रकार अधूरी कथाओं को संकल्प की पूर्णता तक पहुंचाया जाए।

भारत में महिलाओं के प्रति बदलने लगा है नज़रिया

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने और लैंगिक समानता की वकालत करने के लिए मनाया जाता है। यह जागरूकता बढ़ाने, बाधाओं को तोड़ने और सभी के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देने का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज और राष्ट्र मजबूत होते है। यह समानता और अधिकारों के लिए एक वैश्विक आंदोलन है, जो महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रतीक है। यह एक ऐसा दिन है जो महिलाओं को सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की थीम है दान से लाभ है, जो उदारता, सहयोग और सामूहिक प्रगति के मूल्यों को बढ़ावा देता है। यह अभियान इस बात पर प्रकाश डालता है कि महिलाओं का समर्थन करना और लैंगिक समानता को आगे बढ़ाना सभी के लिए व्यापक सामाजिक और आर्थिक लाभ ला सकता है। इस अभियान का मूल विचार यह है कि जब महिलाएं शिक्षा, नेतृत्व, उद्यमिता, विज्ञान, कला और राजनीति जैसे क्षेत्रों में सशक्त होती हैं, तो इससे मजबूत समुदाय और साझा समृद्धि का निर्माण होता है। सहयोग और समान अवसरों को प्रोत्साहित करके, यह अभियान समाज में समावेशी विकास और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देना चाहता है।

भारत में महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है।

भारत में वर्षो से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874, चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4, 05, 861 अपराध दर्ज किए गए। इन अपराधों में बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध, और अपहरण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के सामने आए हैं।जो समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी उदासीनता को दर्शाते हैं। इससे पहले 2022 में 4, 45, 256 मामले, 2021 में 4, 28, 278मामले 2020 में 3, 71, 503 मामले दर्ज किए गए थे।

राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28, 811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2, 411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1, 343, बिहार में 1, 312 और मध्य प्रदेश में 1, 165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं।

2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1, 537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8, 540, घरेलू हिंसा के 6, 274, दहेज उत्पीड़न के 4, 797, छेड़छाड़ के 2, 349, और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1, 618 मामले दर्ज किए गए।

2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30, 864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28, 278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30, 864 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किये हैं। आज भारत में महिलायें पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है।

हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है। ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तिकरण के अभियान को धक्का लगता हैं।देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पायेगी।

त्योहार शांतिपूर्ण मनाने की अपील सुरियावां थाने में पीस कमेटी की बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सुरियावां। आगामी त्योहार ईद, रामनवमी व नवरात्रि को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को स्थानीय थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी अशोक मिश्रा ने की।

बैठक में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों व संभ्रांत नागरिकों को संबोधित करते हुए क्षेत्राधिकारी ने शासन के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी और सभी से त्योहारों के दौरान आपसी भाईचारा, शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी धार्मिक पर्व सद्भाव और प्रेम का संदेश देते हैं, इसलिए क्षेत्र के लोग इन्हें मिल-जुलकर शांतिपूर्वक मनाएं।बैठक में थाना प्रभारी मनीष द्विवेदी, नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष अवधेश कुमार उमर वैश्य, अनिल मिश्रा, वसीम अंसारी, जिलानी, शकील उर्फ छोट्टन, इम्तियाज, सब इंस्पेक्टर योगेंद्र नाथ सिंह यादव, कमलेश कुमार सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर डीएम-एसपी ने की बैठक, 14-15 मार्च को 6 केंद्रों पर होगी परीक्षा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण संपन्न कराने के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बताया गया कि उपनिरीक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा 14 और 15 मार्च को दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। जनपद में परीक्षा के लिए कुल छह परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारी पूरी सतर्कता के साथ अपनी

जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। इसके लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा अतिरिक्त सहायक केंद्र व्यवस्थापकों की तैनाती कर दी गई है। प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन और परीक्षा संचालन की निगरानी भी मजिस्ट्रेटों के जिम्मे होगी।

अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य ने कहा कि परीक्षा को निष्पक्ष व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना सभी की जिम्मेदारी है। स्ट्रांग रूम प्रशासन व पुलिस की निगरानी में रहेगा तथा कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रहेगा।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि प्रश्नपत्रों का मूवमेंट प्रशासन और पुलिस की निगरानी में होगा। सभी परीक्षा केंद्रों और स्ट्रांग रूम पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे तथा पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को सभी परीक्षा केंद्रों पर एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा पीने का पानी, शौचालय व प्रकाश जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल, सभी उपजिलाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, एआरटीओ, उप कृषि निदेशक सहित परीक्षा केंद्रों के प्रधानाचार्य और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भदोही के गौरव ने जीता रजत पदक

भदोही। डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल, डाभासेमर (अयोध्या) में आयोजित राज्य स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन भदोही जनपद के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। ज्ञानपुर ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय कंसापुर के छात्र गौरव ने तीरंदाजी प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर जनपद का नाम रोशन किया, जबकि सहदेव साव ने चौथा स्थान प्राप्त किया।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि तीरंदाजी खेल को पहली बार राज्य स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। इस खेल को प्रदेश स्तर पर लागू कराने का श्रेय राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक अशोक कुमार गुप्ता को जाता है। उनके मार्गदर्शन में भदोही के तीरंदाज भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

गौरव और सहदेव के प्रशिक्षक अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार करना है, जो आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करें।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली की टीम द्वारा जनपद में नालों की टैपिंग कार्यों का भौतिक सत्यापन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली (भारत सरकार) से आयी टीम द्वारा जनपद भदोही में चिन्हित किए गए नालों के टैपिंग कार्यों का भौतिक सत्यापन किया गया। टीम द्वारा जनपद में टैपिंग किए जा रहे कुल 12 नालों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्यों की प्रगति तथा टैपिंग हेतु अपनाई जा रही तकनीक का अवलोकन किया गया।

निरीक्षण के दौरान टीम द्वारा जनपद में नालों की टैपिंग हेतु कराए जा रहे कार्यों की सराहना की गई तथा निर्देशित किया गया कि निर्माणाधीन संरचनाओं को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि गंगा में जाने वाले अपशिष्ट जल को प्रभावी रूप से रोका जा सके।

टीम द्वारा निरीक्षण के क्रम में ब्लॉक औराई एवं डीघ की ग्राम पंचायतों – अमिलौर, रामपुर घाट, बिहरोजपुर, गोपालपुर, कालिंजर, डीग ऊपरवार, हरीरामपुर एवं जहांगीराबाद का भ्रमण किया गया तथा टैपिंग हेतु किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया गया।

सत्यापन के दौरान टीम के साथ पंचायती राज विभाग के जिला सलाहकार एवं ग्राम पंचायत सचिव, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जूनियर एनवायरमेंटल एसोसिएट तथा वन विभाग के आरएफओ, डिप्टी आरएफओ एवं वन दरोगा उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से युवक घायल, वाराणसी रेफर

गोपीगंज। पुलिस चौकी गोपीगंज के पास सड़क पार कर रहे भगवतपुर निवासी अनवर (30) को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज ले जाया गया, जहां पैर में फ्रैक्चर और सिर में गंभीर चोट के कारण उन्हें ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी बाइक चालक सद्दाम निवासी सरपतहा रोड, ज्ञानपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सर्व समाज जनहित पार्टी की बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। नारायण कटरा स्थित कैंप कार्यालय में मंगलवार को सर्व समाज जनहित पार्टी की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष विभूति नारायण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए जिला पंचायत और ग्राम पंचायत चुनाव समय से कराने की मांग उठाई गई। साथ ही संगठन विस्तार के लिए गांव-गांव सदस्यता और प्रचार अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

पार्टी पदाधिकारियों ने पूर्वांचल राज्य के गठन की मांग भी दोहराई। इसके अलावा रमजान और नवरात्र को देखते हुए क्षेत्र में साफ-सफाई और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई।

बैठक में दिनेश प्रसाद पांडा, सिंटू शुक्ला, कैसर खान, रंजीत यादव, रामबाबू, प्रमोद कुमार, रमेश कुमार पाल, राजू व सतीश पांडे सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

औराई में पुलिस और बदमाशों के बिच मुठभेड़ 3 अंतर्जनपदीय बदमाशों के पैर में लगी गोली

मंत्र भारत संवाददाता

औराई भदोही। थाना औराई क्षेत्र अंतर्गत औराई पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबीरी सूचना पर कोठरा बाईपास के पास आज मंगलवार को 2, 10 बजे पुलिस मुठभेड़ में थाना औराई पर पंजीकृत अभियोगों में प्रकाश में आए अंतर्जनपदीय वांछित अभियुक्तों 1.पंकज राव पुत्र वशिष्ट राव निवासी नटवलिया थाना कसिया जनपद कुशीनगर 2.सर्वेश सिंह पुत्र रामकरण सिंह निवासी बाबूछपरा मोरबन थाना रामकोला जनपद कुशीनगर 3. सकलेन पुत्र मुस्तकीम निवासी अहरौली राय थाना कसिया जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। अभियुक्तों के अन्य घटनाओं में संलिप्तता की जानकारी की जा रही है। अभियुक्तों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने के इरादे से तमंचे से फायर किया गया। जवाबी कार्यवाही में पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ फायरिंग के दौरान तीनों अभियुक्तों के पैर में घुटने के नीचे गोली लगी है। घायल अभियुक्तों को इलाज हेतु समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औराई भेजा गया है। जहां घायल अभियुक्तों की स्थिति सामान्य है। मुठभेड़ में गिरफ्तार अभियुक्त पंकज राव पुत्र वशिष्ट राव, सर्वेश सिंह पुत्र रामकरण सिंह एवं सकलेन पुत्र मुस्तकीम पर अनेक जनपदों में क्रमशः 28, 13, 27 अभियोग पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उच्चाधिकारीगण के नेतृत्व में फॉरेंसिक टीम/फील्ड यूनिट द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बाइकों की टक्कर में युवक की मौत, अज्ञात चालक पर मुकदमा

गोपीगंज। दो बाइकों की टक्कर में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में मृतक की मां रीता देवी निवासी चन्द्रपुरा की तहरीर पर थाना गोपीगंज में अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्राथमिक विद्यालय मोढ़ डीह में वार्षिकोत्सव व बाल मेला बैठक में सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आज प्राथमिक विद्यालय मोढ़ डीह में वार्षिकोत्सव एवं अभिभावक अध्यापक बैठक कार्यक्रम आयोजित किया गया इस दौरान कार्यक्रम में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद में प्रतिभाग किया गया। इस दौरान प्रधानाध्यापक राजेश कुमार ने बताया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय के जो भी बच्चें निपुण हैं उनकी उपस्थित भी अच्छी थी उन अभिभावक के साथ सबको पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया ।इस दौरान कार्यक्रम मे शिक्षक संकुल राजपति मौर्य, सहायक अध्यापक अरबिंद कुमार यादव, विवेकानंद सिंह अध्यक्ष अशोक कुमार , सुनीता देवी, बबलू, ईश्वर, नीरज, सोनी, सरिता, संगीताआदि उपस्थित रहे।

लोकसभा में गौरव गोगोई का वार, अमित शाह का पलटवार- इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष नहीं देखा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस शुरू होते ही, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें उस मंत्री के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित किया। यह गोगोई के संबोधन के दौरान रिजिजू के उस बयान के जवाब में था, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी सांसदों ने असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया और वे इसका जवाब देंगे।

इसके बाद कांग्रेस सांसद ने कहा कि भविष्य में जब संसदीय अभिलेखों और प्रतिलेखों का अध्ययन किया जाएगा, तो आंकड़े बताएंगे कि किरेन रिजिजू ही वह संसदीय कार्य मंत्री थे जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित किया। रिजिजू का बचाव करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जोर देकर कहा कि इस तरह की बाधाएँ तभी आवश्यक होती हैं जब कोई संसदीय नियमों का पालन नहीं करता है, और उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल का उदाहरण दिया।

शाह ने कहा कि मैं सहमत हूँ, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू जी ने सबसे ज़्यादा व्यवधान डाला है। लेकिन हमने इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा। जिसका मतलब था कि व्यवधान विपक्ष द्वारा सदन के नियमों का बार-बार

उल्लंघन करने के कारण थे। अपने संबोधन में, गोगोई ने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा के लिए लाया गया है, न कि किसी व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए। निचले सदन को संबोधित करते हुए गोगोई ने कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा करने की जिम्मेदारी के रूप में लाया गया है, न कि व्यक्तिगत रूप से ओम बिरला के खिलाफ। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने आज सुबह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। 50 से अधिक सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में खड़े होकर, अध्यक्ष पद पर बैठी भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कांग्रेस सांसद को अवकाश दिया।

इंटरलॉकिंग सड़क को लेकर विवाद वृद्धा की इलाज के दौरान मौत

गोपीगंज। थाना ज्ञानपुर क्षेत्र के ग्राम इब्राहिमपुर में इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण को लेकर हुए विवाद में एक वृद्धा की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम इब्राहिमपुर में ग्राम प्रधान द्वारा गांव की सड़क पर इंटरलॉकिंग का निर्माण कराया जा रहा था। इसी रास्ते में मृतका चंद्रावती (65) पत्नी जितनारायण यादव का वर्षों से बना पक्का दालान होने के कारण उसे हटाने को लेकर पिछले एक सप्ताह से प्रधानपति और मृतका के परिवार के बीच विवाद चल रहा था।

बताया जाता है कि सोमवार रात फिर से दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। परिजनों का आरोप है कि प्रधानपति समेत कुछ लोग उनके घर पहुंचकर विवाद करने लगे। इसी दौरान धक्का-मुक्की में चंद्रावती गिरकर बेहोश हो गईं। परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल महाराजा चेतसिंह ले गए, जहां हालत गंभीर होने पर ट्रामा सेंटर औराई रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना के बाद परिजनों ने विपक्षियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाना ज्ञानपुर में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुट गई है।

सुरियावां में पटरियों पर अतिक्रमण राहगीरों को हो रही परेशानी

सुरियावां। नगर के चौक, मिडिल स्कूल के पास और बाईपास स्थित अटल चौराहे पर सड़क की पटरियों पर ठेला-खोमचा व फल-मिठाई की दुकानों का अतिक्रमण बढ़ गया है। इससे सड़क संकरी हो गई है और आए दिन जाम की स्थिति बन रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अटल चौराहे पर पुलिस बूथ होने के बावजूद अतिक्रमण पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आरोप है कि पुलिस केवल बाइक सवारों का चालान काटने तक सीमित है।

लोगों ने प्रशासन से पटरियों को अतिक्रमण मुक्त कराकर यातायात व्यवस्था सुचारु करने की मांग की है।

सांडा गांव में स्वास्थ्य शिविर आयोजित 150 से अधिक महिलाओं व किशोरियों की हुई जांच

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावा ब्लॉक के सांडा गांव स्थित पंचायत भवन में मंगलवार को वेलस्पन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज तथा मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और किशोरियों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में 150 से अधिक महिलाओं और किशोरियों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। जांच के दौरान अधिकांश महिलाओं व किशोरियों में खून की कमी पाई गई, वहीं कुछ मरीजों में एलर्जी, त्वचा रोग, सर्दी-खांसी और बुखार जैसी सामान्य समस्याएं सामने आईं, जिनका मौके पर ही उपचार किया गया और संस्था की ओर से निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं।

इस अवसर पर सुरियावा ब्लॉक की सीएचओ प्रेरणा कुशवाहा ने स्वयं गांव पहुंचकर महिलाओं और किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य कर्मियों के गांव पहुंचकर उपचार करने को महत्वपूर्ण पहल बताते हुए इसकी सराहना की।

कार्यक्रम में ग्राम प्रधान अरविंद कुमार उर्फ छोटू, समाजसेवी संस्था मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान से उमाशंकर केशा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे और आयोजन में सहयोग किया।

भदोही में हुआ बनवासी श्रमिकों का पंजीयन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही! उप श्रम आयुक्त मिर्जापुर परीक्षेत्र के आदेशानुसार पंचायत भवन पिपरिस में श्रम विभाग और मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के द्वारा संयुक्त रूप से बीओसीडब्ल्यू उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्यसनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड एवं ई श्रम कार्ड बनावाने का कैम्प लगाया गया । जिसमे 139 श्रमिक मौजूद रहे जिसमें 72 श्रमिकों का पंजीयन श्रम विभाग द्वारा हुआ बाकी श्रमिकों का आधार कार्ड में मोबाइल नंबर नहीं लिंक होने के बजह से रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया ।इसी क्रम में प्रधानमंत्री श्रम योगी मान धन पेंशन योजना के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। मनोज शर्मा श्रम प्रवर्तन अधिकारी द्वारा बताया गया कि इसी माह में दो और कैंपों का आयोजन किया गया है श्रम विभाग द्वारा संस्था को और अधिक से अधिक कैम्प लगवाने की बात कही है ताकि जितने भी मुसहर/वनवासी समुदाय के लोग है उनको सरकार की योजनाओं का हितलाभ समय समय पर दिया जा सके । इस अवसर पर मनोज पाल डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान भदोही, विवेक आचार्य पंचायत सहायक, पिपरिश रामबिलास बिंद दीपक मौर्या, और बीरेन्द यादव, मौजूद रहे तथा संस्था के तरफ से जिन्होंने अपना योगदान दिया पिंकी, मीरा मौर्या, अजय बनवासी, संजय मौर्या, बबीता पाल, राकेश मौर्या, रमेश गौतम रहे। कार्यक्रम का संचालन इंद्रजीत तिवारी द्वारा किया गया ।

ट्रेन से कटकर अधेड़ की मौत, शव पोस्टमार्टम को भेजा

सुरियावां। सुरियावां-भदोही मार्ग स्थित बदलीपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास सोमवार देर रात एक अधेड़ की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया जाता है कि विष्णुपुर निवासी छोटे लाल यादव (55) पुत्र स्व. राम शिरोमणि यादव रात में घर पर सोए हुए थे। परिजनों के अनुसार उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और उनका इलाज चल रहा था। रात में वह कब घर से निकलकर रेलवे पटरी पर पहुंच गए, इसकी जानकारी किसी को नहीं हो सकी।

ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर सब इंस्पेक्टर सुरेश यादव मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मतेथू गांव में जर्जर विद्युत पोल से हादसे का खतरा, ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

मंत्र भारत संवाददाता

सुरियावां। पाली विद्युत उपकेंद्र से जुड़े मतेथू गांव में जर्जर हो चुका विद्युत पोल और मकान के सामने से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन ग्रामीणों के लिए खतरा बन गई है। पंडित विनोद कुमार दुबे के घर के सामने लगा लोहे का पोल काफी पुराना और क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि इसी रास्ते से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का लगातार आवागमन रहता है। बरसात या तेज हवा में पोल गिरने या तार टूटने का खतरा बना रहता है, जिससे जनहानि की आशंका है।

बताया गया कि जर्जर पोल हटाने और हाईटेंशन लाइन को अन्यत्र स्थानांतरित करने के लिए कई बार बिजली विभाग से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

समस्या को लेकर पंडित विनोद कुमार दुबे ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के ऊर्जा मंत्री और बिजली विभाग के अधिकारियों से शिकायत कर जर्जर पोल को तत्काल हटाने तथा हाईटेंशन लाइन को सुरक्षित स्थान से गुजरने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील की है।

सिलेंडर के दाम बढ़ने पर सरकार को शर्म नहीं- सपा सांसद ने सरकार पर बोला हमला

लखनऊ (**एजेंसी**)। गाजीपुर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी ने गैस सिलेंडर की बढती कीमतों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि देश में पहले गैस सिलेंडर करीब 400 रुपये में मिल जाता था, लेकिन अब इसकी कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। सांसद ने कहा कि पहले जब गैस सिलेंडर की कीमत 400 रुपये थी, तब भाजपा के नेता इसे लेकर हंगामा करते थे और सरकार पर सवाल उठाते थे। लेकिन अब वही सिलेंडर 1200 रुपये तक पहुंच गया है और हाल ही में इसमें करीब 60 रुपये की और बढ़ोतरी कर दी गई है।

अफजाल अंसारी ने कहा कि महंगाई से आम जनता परेशान है, लेकिन सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं दिख रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इतनी बड़ी कीमत बढ़ने के बावजूद सरकार को जरा भी शर्म नहीं आ रही है। सपा सांसद ने आरोप लगाया कि लगातार बढ़ती महंगाई से गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों की रसोई का बजट बिगड़ गया है। उन्होंने सरकार से गैस सिलेंडर की कीमतों में राहत देने की मांग भी की।

आप को बता दें कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति श्रृंखला पर बड़ा असर पड़ा है। ऐसे हालात में सरकार ने घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है, जिससे बाजार मूल्य वाले वाणिज्यिक एलपीजी का उपयोग करने वाले होटल एवं रेस्तरां को आपूर्ति संकट का सामना करना पड़ रहा है। भारत में सालाना करीब 3.13 करोड़ टन एलपीजी की खपत होती है। इसमें लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा घरेलू रसोई गैस का है जबकि बाकी का उपयोग होटल, रेस्तरां और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में होता है।

देश की कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 प्रतिशत आयात से पूरा होता है। ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल के संयुक्त हमले और फिर ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल एवं गैस आयात प्रभावित हुआ है। इसी मार्ग से भारत को सऊदी अरब जैसे देशों से एलपीजी आयात का 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा मिलता है।

सरकार इस समय वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत की तलाश कर रही है, लेकिन सीमित उपलब्धता के कारण घरेलू क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे वाणिज्यिक प्रतिष्ठान प्रभावित हो रहे हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार इस आपूर्ति बाधा का असर मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में दिखने लगा है, जहां होटल और रेस्तरां को रसोई गैस उपलब्ध कराने में मुश्किल हो रही है। इंडिया होटल्स एंड रेस्तरां एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय शेट्टी ने कहा कि गैस की किल्लत तेजी से बढ़ रही है और यदि जल्द आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो यह पूरे क्षेत्र के संचालन को प्रभावित कर सकती है।

हालांकि मंत्रालय का कहना है कि देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है। हाल के दिनों में पेट्रोलियम रिफाइनरियों को पेट्रोकेमिकल उत्पादन घटाकर एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्रालय ने कहा, 'मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए घरेलू एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए हैं।

कड़ी शर्तों के साथ गो-जनजागरण कार्यक्रम को मिली अनुमति शंकराचार्य बोले- क्या हम वहां शोक सभा करने जा रहे हैं

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 11 मार्च से प्रस्तावित गो-प्रतिष्ठा जनजागरण अभियान के कार्यक्रम को प्रशासन ने अनुमति दे दी है। कार्यक्रम स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा। हालांकि प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति 26 शर्तों के साथ दी है और साफ किया है कि किसी भी शर्त का उल्लंघन होने पर अनुमति स्वतः निरस्त मानी जाएगी। इसे लेकर कराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि'क्या हम मौन धारण करने के लिए यह आयोजन कर रहे हैं?... जो हमारे मन में पीड़ा है उसे ही तो व्यक्त करने जा रहे हैं।

लखनऊ, उत्तर प्रदेशः जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की लखनऊ में होने वाली 'गौ माता प्रतिष्ठा संकल्प महासभा' के लिए प्रशासन ने कंडीशनल परमिशन दे दी है। यह इवेंट 11 मार्च को कांशीराम स्मृति स्थल पर होगा। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद कहते हैं, 'अहंकार, अहंकार, और क्या वजह है? कन्फ्यूजन पैदा करने के लिए परमिशन रोकी गई थी,

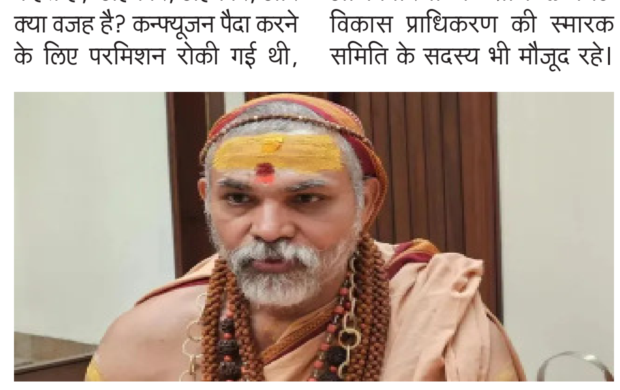

ताकि पब्लिक न आए और लोग सोचते रहें कि इवेंट होगा भी या नहीं। आखिर में एक दिन पहले ही परमिशन दी गई। एक ही दिन में कोई रिज़र्वेशन नहीं हो सकता, और दूर-दराज से लोग इतने कम समय में नहीं आ सकते...'

सोमवार देर रात प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक के बाद अनुमति दी गई। बैठक में पुलिस अधिकारियों के साथ लखनऊ विकास प्राधिकरण की स्मारक समिति के सदस्य भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन आशियाना क्षेत्र में पासी किला चौराहे के पास स्थित कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक स्थल पर प्रस्तावित है।

कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। आशियाना, पीजीआई और कृष्णानगर थाना क्षेत्र की पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया है। आयोजन स्थल पर भी भारी पुलिस बल तैनात किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार आयोजकों ने तीन दिवसीय कार्यक्रम के लिए स्मारक समिति को लगभग 4.50 लाख रुपये शुल्क भी जमा कराया है।

प्रशासन ने साफ किया है कि कार्यक्रम के दौरान धर्म, जाति या संप्रदाय के खिलाफ भड़काऊ भाषण नहीं दिए जाएंगे। किसी भी व्यक्ति या समुदाय के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी पर रोक रहेगी। हथियार, आतिशबाजी और हर्ष फायरिंग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। ध्वनि प्रदूषण नियमों का पालन अनिवार्य होगा और रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा यातायात बाधित न हो, इसके लिए वाहनों की संख्या सीमित रखी जाएगी।

योगी कैबिनेट के बड़े फैसलेः 31 प्रस्तावों पर चर्चा, 30 को मंजूरी; 'मुख्यमंत्री परिवहन योजना 2026' पास

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में कुल 31 प्रस्तावों पर विचार किया गया, जिनमें से 30 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई, जबकि तीन प्रस्तावों को फिलहाल होल्ड पर रखा गया है। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना और मंत्री रविन्द्र जायसवाल और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने दी।

मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने बताया कि सरकार ने खतौनी से संबंधित एक अहम निर्णय लिया है। इसके तहत अब जमीन बेचने वाले व्यक्ति के रिकॉडर् की जांच की जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह जमीन का वास्तविक मालिक है या नहीं। इसके लिए उसकी मिल्कियत का प्रमाणपत्र भी लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में सर्किल रेट पर एक प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा।

परिवहन से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले की जानकारी देते हुए परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि'मुख्यमंत्री परिवहन योजना 2026'को भी कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश की हर ग्राम सभा तक बस सेवा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के अंतर्गत चलने वाली बसों को टैक्स फ्री रखा जाएगा और प्राइवेट ऑपरेटरों को बस संचालन की अनुमति दी जाएगी।

योजना के तहत अधिकतम 28 सीटों वाली बसें चलाई जाएंगी, जो जिला मुख्यालय से होकर संबंधित ग्राम सभाओं तक जाएंगी। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि बसें शाम तक वापस उसी गांव तक पहुंच जाएं, जहां से उनका संचालन शुरू हुआ था। मंत्री ने बताया कि यदि किसी एक ही रूट पर कई आवेदक बस संचालन के लिए दावा करते हैं तो उस स्थिति में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति के माध्यम से ई-ऑक्शन की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

गूगल मैप ने दिखाया मौत का रास्ता! बदायूं पुल हादसे में 3 इंजीनियरों को मिली राहत, एक पर चलेगा केस

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के बदायूं-बरेली बॉर्डर पर रामगंगा नदी के अधूरे पुल से कार गिरने के चर्चित मामले में पुलिस जांच की बड़ी रिपोर्ट सामने आई है। 24 नवंबर 2024 को हुए इस दिल दहला देने वाले हादसे में, जिसमें 3 युवकों की जान चली गई थी, पुलिस ने अब लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के 3 इंजीनियरों को निर्दोष पाया है। वहीं, एक अन्य अभियंता के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर ली गई है।

यह घटना दातागंज क्षेत्र में रामगंगा नदी पर बने एक अधूरे पुल पर हुई थी। मैनपुरी और फर्रुखाबाद के रहने वाले तीन दोस्त अमित, विवेक और अजीत एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। रास्ता ढूंढने के लिए वे गूगल मैप का सहारा ले रहे थे। मैप ने उन्हें उस अधूरे पुल पर भेज दिया, जिसका एक हिस्सा गायब था। पुल पर न तो कोई मजबूत बैरियर था और न ही कोई चेतावनी बोर्ड। अंधेरे और रफ्तार के कारण कार सीधे पुल से नीचे नदी में जा गिरी। इस भीषण हादसे में तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

हादसे के बाद प्रशासन ने घोर लापरवाही मानते हुए पीडब्ल्यूडी के चार अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस की गहन जांच के बाद अब स्थिति साफ हुई है। जांच में सहायक अभियंता अभिषेक कुमार और जूनियर इंजीनियर अजय गंगवार व महाराज सिंह की सीधी लापरवाही स्पष्ट नहीं पाई गई, जिसके बाद उन्हें इस मामले से मुक्त कर दिया गया है। सहायक अभियंता मो. आरिफ की जिम्मेदारी तय की गई है। पुलिस अब उनके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट (आरोप पत्र) दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी कर रही है।

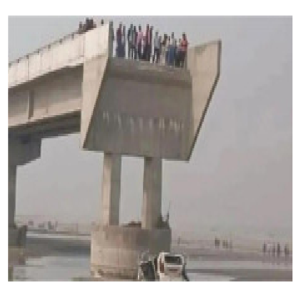

एलपीजी की किल्लत के बीच यूपी में बड़ा कांड! 18 लाख के सिलेंडर चोरी, हाईवे किनारे खाली मिला ट्रक

झांसी। मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के बीच पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ी हुई है। इसी बीच झांसी से रसोई गैस सिलेंडरों से भरे एक ट्रक की चोरी का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। ट्रक में करीब 524 भरे हुए एलपीजी सिलेंडर लदे थे, जिनकी कीमत लगभग 18 लाख रुपये बताई जा रही है। यह घटना सीपरी बाजार थाना क्षेत्र की है। ट्रक मालिक की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रक मालिक नीरज अग्रवाल के मुताबिक उनका ट्रक नंबर यूपी 93 बीटी 3341 भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के करारी स्थित प्लांट से जुड़ा हुआ है। 2 मार्च को प्लांट से 524 एलपीजी सिलेंडर ट्रक में लोड किए गए थे, जिन्हें कानपुर देहात के गजनेर क्षेत्र में भेजा जाना था।

बताया जा रहा है कि होली के त्योहार के चलते ट्रक चालक राजकुमार वाहन को प्लांट के बाहर खड़ा कर अपने घर चला गया था। इसके बाद 6 मार्च को सूचना मिली कि ट्रक बड़ागांव थाना क्षेत्र के पारीछा के पास हाईवे किनारे खाली हालत में खड़ा है। जब ट्रक मालिक मौके पर पहुंचे तो देखा कि ट्रक से सभी गैस सिलेंडर गायब थे और वाहन का जीपीएस भी तोड़ दिया गया था।

इसके बाद ट्रक मालिक ने तुरंत सीपरी बाजार थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। थाना प्रभारी जयप्रकाश चौबे के मुताबिक शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने ट्रक को बरामद कर लिया है और चोरी हुए गैस सिलेंडरों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

सहारा को बड़ा झटका! सैट ने 14, 000 करोड़ लौटाने का आदेश बरकरार रखा

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। सिक्योरिटीज अपीलेट ट्रिब्यूनल (सैट) ने सहारा समूह से जुड़े एक पुराने मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। ट्रिब्यूनल ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें सहारा की कंपनी को निवेशकों से जुटाए गए करीब 14, 000 करोड़ रुपए लौटाने के लिए कहा गया था।

यह मामला ऑप्शनली फुली कन्वर्टिबल डिबेंचर के जरिए जुटाए गए फंड से जुड़ा है। सहारा समूह ने 1998 से 2008 के बीच इस योजना के तहत बड़ी संख्या में निवेशकों से पैसा जुटाया था। सेबी का कहना है कि इतने बड़े स्तर पर लोगों से पैसा जुटाना पब्लिक इश्यू के दायरे में आता है, जिसके लिए नियामक की मंजूरी और नियमों का पालन जरूरी होता है। सेबी के अनुसार अगर 50 या उससे अधिक लोगों से निवेश लिया जाता है तो उसे सार्वजनिक निवेश माना जाता है और इसके लिए आईपीओ प्रक्रिया अपनानी होती है लेकिन सहारा ने बिना सेबी की मंजूरी के करीब 1.98 करोड़ निवेशकों से पैसा जुटाया, जो नियमों का उल्लंघन है। सहारा का तर्क है कि यह पैसा प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए कुछ चुनिंदा निवेशकों से लिया गया था। कंपनी का दावा है कि उसने लगभग पूरी रकम निवेशकों को लौटा दी है और करीब 17 करोड़ रुपए ही बाकी हैं। सहारा के अनुसार उसने लगभग 8, 157 करोड़ रुपए नकद लौटाए और करीब 4, 400 करोड़ रुपए के शेयर जारी करके निवेशकों को भुगतान किया।

हालांकि सेबी ने इन दावों पर सवाल उठाए हैं। नियामक का कहना है कि इतने बड़े स्तर पर नकद भुगतान के पुख्ता सबूत नहीं हैं और शेयर में भुगतान की प्रक्रिया भी संदिग्ध लगती है। सेबी ने यह भी कहा कि सहारा ने निवेशकों की पूरी सूची भी उपलब्ध नहीं कराई है, जिससे भुगतान के दावों की पुष्टि करना मुश्किल है।

एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मोदी सरकार ने उठाया बड़ा कदम, देशभर में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 लागू

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। पश्चिम एशिया में इजराइल और अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद तेज हुए युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में पैदा हुई बाधा के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर संकट गहराने लगा है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने मार्च 2026 से आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 लागू करते हुए देश में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति तथा वितरण को नियंत्रित करने के लिए कई सख्त कदम उठाए हैं। सरकार का मुख्य लक्ष्य घरेलू उपभोक्ताओं और महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए गैस की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार देश की सभी तेल रिफाइनरी कंपनियों को उपलब्ध प्रोपेन और ब्यूटेन से अधिकतम मात्रा में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस का उत्पादन करने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रोपेन या ब्यूटेन को पेट्रो रसायन उत्पादों या अन्य औद्योगिक उपयोग के लिए उपयोग नहीं किया जा सकेगा। यानी इन संसाधनों का उपयोग मुख्य रूप से घरेलू रसोई गैस उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा।

सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 और 5 का उपयोग करते हुए तेल विपणन कंपनियों के लिए आपूर्ति से जुड़ी सीमाएं भी तय कर दी हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां भारतीय तेल निगम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम निगम और भारत पेट्रोलियम निगम को निर्देश दिया गया है कि खरीदी गई तरलीकृत पेट्रोलियम गैस केवल घरेलू उपभोक्ताओं तक ही पहुंचाई जाए। इसके अलावा जमाखोरी रोकने के लिए गैस सिलेंडर की नई बुकिंग के बीच कम से कम 25 दिन का अंतराल अनिवार्य किया गया है।

सरकार ने प्राकृतिक गैस के वितरण को नियंत्रित करने के लिए प्राकृतिक गैस आपूर्ति विनियमन

आदेश 2026 भी लागू किया है। इसके तहत घरेलू पाइप गैस, कंप्रेस्ड प्राकृतिक गैस तथा उर्वरक कारखानों को गैस आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। यह कदम कृषि और परिवहन क्षेत्र को प्रभावित होने से बचाने के लिए उठाया गया है।

हम आपको बता दें कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एक केंद्रीय कानून है जिसका उद्देश्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति को बाधित होने से बचाना है। जमाखोरी, कालाबाजारी या किसी बाहरी संकट के कारण यदि किसी आवश्यक वस्तु की उपलब्धता प्रभावित होती है तो सरकार इस कानून के तहत उत्पादन, वितरण और कीमतों को नियंत्रित कर सकती है। वर्ष 2020 में इस कानून में संशोधन किया गया था, जिसके बाद अनाज, दाल, आलू, प्याज और खाद्य तेल जैसे कृषि उत्पादों पर नियंत्रण केवल युद्ध, अकाल या गंभीर प्राकृतिक आपदा जैसी असाधारण स्थितियों में ही लगाया जा सकता है। संशोधन के बाद से केंद्र सरकार इस कानून का उपयोग पांच बार कर चुकी है।

इस बार यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारत को मिलने वाली तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावित होने से सऊदी अरब से आने वाली गैस आपूर्ति में भी रुकावट आई है। इसका असर देश के कई शहरों में दिखने लगा है, जहां कुछ होटलों और भोजनालयों को गैस की कमी के कारण अपनी रसोई अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ी। इसके अलावा पिछले सप्ताह एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में की गई वृद्धि से लोगों की जेब पर भी बड़ा असर पड़ा है।

इस संकट के बीच तेल विपणन कंपनियां देश में गैस भंडारण क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी तेजी से काम कर रही हैं। कंपनियां अब भूमिगत चट्टानी गुफाओं में गैस भंडारण की संभावनाओं पर विस्तृत तकनीकी और आर्थिक अध्ययन कर रही हैं ताकि भविष्य में आपूर्ति संकट से बेहतर तरीके से निपटा जा सके।

हम आपको यह भी बता दें कि संसद की पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संबंधी स्थायी समिति ने भी पिछले वर्ष दिसंबर में इस दिशा में सुझाव दिया था। समिति ने कहा था कि जहां भौगोलिक परिस्थितियां अनुकूल हों वहां देशभर में और अधिक भूमिगत गैस भंडारण गुफाएं विकसित की जानी चाहिए ताकि भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो सके।

'राहुल गांधी ने कभी घुटने नहीं टेके', लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बोलीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी सत्ताधारी पक्ष के दबाव के बावजूद लगातार सच बोलते रहे हैं। सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में केवल एक ही व्यक्ति है जिसने उनके (सत्ताधारी पक्ष के) सामने सिर नहीं झुकाया है। वह हैं विपक्ष के नेता। वे उनके द्वारा बोले गए सच को पचा नहीं पा रहे हैं।

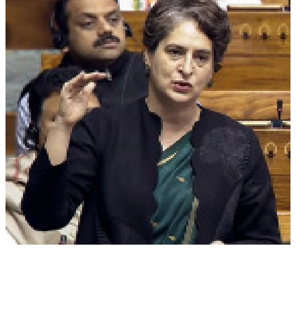

इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव का जवाब देते हुए विपक्ष पर अशांत होने और जनता की इच्छा के विरुद्ध जाने का आरोप लगाया, क्योंकि उनका आरोप है कि वे अध्यक्ष की शक्ति को अपने लिए हथियाना चाहते हैं। नारेबाजी के बीच विपक्षी सांसदों पर कटाक्ष करते हुए मंत्री रिजिजू ने राहुल गांधी के पिछले बयान का हवाला देते हुए कहा कि अगर कोई सदन में खुद को स्पीकर से ऊपर समझता है तो उसके लिए उनके पास कोई उपाय नहीं है।

उन्होंने कहा कि संविधान और सदन के नियमों को देखें तो स्पीकर के किसी भी फैसले को आज तक चुनौती नहीं दी गई है। उस दिन मुझे इस बात से ठेस पहुंची थी कि विपक्षी सांसद ने कहा था कि 'मुझे संसद में बोलने के लिए किसी से अनुमति लेने की जरूरत नहीं है', जो रिकॉर्ड में दर्ज है। संसद में बोलना मेरा अधिकार है, हमारे विपक्ष के नेता ने यह कहा था। इसलिए मैं सोच रहा था कि कांग्रेस में कई वरिष्ठ सदस्य हैं, उन्होंने यह क्यों नहीं समझाया कि इस सदन में प्रधानमंत्री, मंत्री, विपक्ष के नेता मौजूद रह सकते हैं, लेकिन बोलने के लिए स्पीकर की अनुमति जरूरी है।

रिजिजू ने सदन में आगे कहा कि आप ऐसा नहीं कर सकते और फिर कहते हैं कि आपका माइक्रोफोन बंद है। बिना अनुमति के, अगर आप खुद को स्पीकर से ऊपर समझते हैं, तो मेरे पास इसका कोई उपाय नहीं है। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने आज सुबह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का प्रस्ताव रखा।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने 'पर्सनल रीजन' दिया इस्तीफा, क्या फ्लाइट क्राइसिस बनी असली वजह?

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड द्वारा संचालित देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने मंगलवार को घोषणा की कि उसके सीईओ पीटर एल्बर्स ने इस्तीफा दे दिया है। यह कदम दिसंबर में एयरलाइन के अब तक के सबसे भीषण उड़ान संकट के बाद उठाया गया है। प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने अंतरिम आधार पर एयरलाइन का प्रबंधन संभाल लिया है। एल्बर्स ने एयरलाइन के सह-संस्थापक भाटिया को लिखे अपने इस्तीफे पत्र में कहा कि हमारी बातचीत के अनुसार, व्यक्तिगत कारणों से, मैं आज से इंडिगो के सीईओ पद से अपना इस्तीफा दे रहा हूँ। कृपया नोटिस अवधि माफ कर दें।

उन्होंने कहा कि सितंबर 2022 से पिछले कुछ वर्षों में इंडिगो के सीईओ के रूप में सेवा करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात रही है। इंडिगो परिवार का हिस्सा बनना, इसकी शानदार विकास गाथा और इस दिशा में हमने मिलकर जो कदम उठाए हैं, वे मेरे लिए बेहद खुशी की बात हैं। सितंबर 2022 में एल्बर्स के कार्यभार संभालने के बाद से तीन साल से कुछ अधिक समय में ही इंडिगो ने 10 अरब डॉलर के राजस्व का आंकड़ा पार कर लिया है, अपने बेड़े को 440 से अधिक विमानों तक विस्तारित किया है और एयरबस ए320 परिवार के 500 विमानों का ऐतिहासिक ऑर्डर दिया है।

लेकिन अपनी सफलताओं के बावजूद, एल्बर्स का कार्यकाल दिसंबर 2025 में एक बड़े परिचालन संकट से दागदार हो गया। यह उड़ान संकट इंडिगो द्वारा पायलटों की थकान को रोकने के लिए बनाए गए नए नियमों को लागू करने में हुई विफलता के कारण उत्पन्न हुआ। 3 से 5 दिसंबर के बीच, इंडिगो ने 2, 500 से अधिक उड़ानें रद्द कीं और लगभग 1, 900 उड़ानों में देरी की, जिससे 3 लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए।

मध्य पूर्व संकट पर केंद्र सरकार अलर्ट पीएम मोदी ने मंत्रियों को दिए अहम निर्देश

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट बैठक में स्थिति की समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने सभी मंत्रालयों और विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय संकट का असर आम लोगों पर कम से कम पड़े, इसके लिए पहले से तैयारी रखी जाए।

28 फरवरी 2026 से शुरू हुआ यह टकराव अब लगातार बढ़ता जा रहा है। खबरों के मुताबिक ईह और धैत के बीच तनाव के दौरान अमेरिका की भागीदारी से हालात और जटिल हो गए हैं। अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर कई हवाई हमले किए गए, जिसके जवाब में ईरान ने भी क्षेत्रीय लक्ष्यों पर कार्रवाई की। इस संघर्ष का असर खाड़ी क्षेत्र के महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य पर भी पड़ा है, जो वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का प्रमुख रास्ता माना जाता है।

भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण बन सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनिश्चितता बढ़ने से कच्चे तेल और एलपीजी सप्लाई पर दबाव देखा जा रहा है। कुछ राज्यों में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की उपलब्धता को लेकर चिंता जताई जा रही है। कई होटल और रेस्तरां संचालकों ने भी सप्लाई को लेकर मुश्किलों की बात कही है।

स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए कई फैसले किए हैं। देश की रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए 25 दिन का इंटर-बुकिंग नियम लागू किया गया है। अस्पताल, स्कूल और अन्य आवश्यक संस्थानों के लिए आयातित एलपीजी की विशेष व्यवस्था की जा रही है। कमर्शियल गैस की मांग की समीक्षा के लिए एक विशेष समिति गठित की गई है। साथ ही रूस और पश्चिम अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से वैकल्पिक आयात स्रोतों पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

केंद्र सरकार का कहना है कि फिलहाल घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त गैस और ऊर्जा स्टॉक उपलब्ध है। हालांकि अगर अंतरराष्ट्रीय संकट लंबा चलता है तो सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ सकता है। इसी कारण सरकार ने पहले से तैयारी करते हुए ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया है।

गुजरात टाइटन्स के नए बैटिंग कोच बने मैथ्यू हेडन, बोले- 'हम खेल पर दबदबा बनाएंगे'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। गुजरात टाइटन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। दो बार के वनडे विश्व कप विजेता और अपने जमाने के सबसे प्रभावशाली सलामी बल्लेबाजों में से एक हेडन का अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है। उन्हें टी20 में बल्लेबाजी का व्यापक अनुभव है और वह इसकी बारीकियों को समझते हैं। हेडन ने

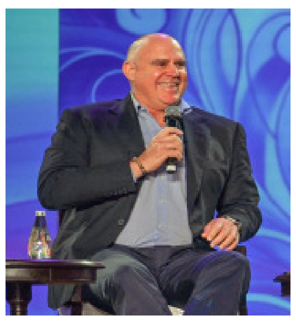

सभी प्रारूपों में 273 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने 15, 000 से अधिक रन बनाए और आईसीसी के कई टूर्नामेंट में जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा, ''मैथ्यू की नियुक्ति हमारे सफर के महत्वपूर्ण मोड़ पर की गई है। शीर्ष स्तर पर उनका अनुभव और उभरती प्रतिभाओं को मार्गदर्शन देने की उनकी क्षमता आगामी सत्र में हमारे लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।'' हेडन ने कहा, ''अच्छी बल्लेबाजी दबाव बनाती है।

शानदार बल्लेबाजी खेल पर अपना दबदबा बनाती है। गुजरात टाइटन्स में हम यही मानक स्थापित करना चाहते हैं।'' हेडन ने आईपीएल में भी 32 मैच खेले हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के अपने पूर्व साथी मैथ्यू वेड की जगह लेंगे जो पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के सहायक कोच थे।

'खेल का कोई धर्म नहीं', विश्व कप ट्रॉफी मंदिर ले जाने पर भड़के कीर्ति आजाद, कहा- शर्म आती है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तृणमूल कांग्रेस के सांसद और 1983 क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम के सदस्य कीर्ति आजाद ने कप्तान सूर्यकुमार यादव, मुख्य कोच गौतम गंभीर और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह के भारतीय टीम नेतृत्व समूह द्वारा तीसरी बार खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी को स्टेडियम के पास स्थित हनुमान मंदिर ले जाने के कदम की कड़ी आलोचना की। रविवार को के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड पर 96 रनों की शानदार जीत के बाद भारतीय टीम ने रिकॉर्ड तोड़ तीसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया और घरेलू मैदान पर खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बन गई।

जीत के बाद सूर्यकुमार यादव, गंभीर और जय शाह भगवान का आशीर्वाद लेने स्टेडियम के पास स्थित हनुमान मंदिर गए और ट्रॉफी भी साथ ले गए। मीडिया से बात करते हुए कीर्ति ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति से संबंधित नहीं होते। उन्होंने कहा कि जब सभी धर्मों के लोगों से बनी टीम इंडिया ने जीत हासिल की तो 140 करोड़ लोग रोमांचित हो गए। खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति से संबंधित नहीं होते, बल्कि सिर्फ खेल से संबंधित होते हैं। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं कहती हूं कि टीम इंडिया ने भारत को विजयी बनाया। टीम इंडिया जीती, और यह भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है।

इससे पहले एक्स पर कीर्ति ने लिखा था कि टीम इंडिया पर शर्म आती है! जब हमने 1983 में कपिल देव की कप्तानी में विश्व कप जीता था, तब हमारी टीम में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई खिलाड़ी थे। हम ट्रॉफी को अपनी धार्मिक जन्मभूमि, अपनी मातृभूमि भारत (हिंदुस्तान) में लाए थे। भारतीय क्रिकेट ट्रॉफी को क्यों घसीटा जा रहा है? मस्जिद क्यों नहीं? चर्च क्यों नहीं? गुरुद्वारा क्यों नहीं? यह टीम भारत का प्रतिनिधित्व करती है - सूर्यकुमार यादव या जय शाह के परिवार का नहीं! सिराज कभी इसे मस्जिद में नहीं ले गए। संजू कभी इसे चर्च में नहीं ले गए। संजू ने टूर्नामेंट में अहम भूमिका निभाई थी और उन्हें मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। यह ट्रॉफी हर धर्म के 14 लाख भारतीयों की है - किसी एक धर्म की जीत का जश्न मनाने की जगह नहीं!

मैच की बात करें तो, न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। हालांकि, अभिषेक शर्मा (21 गेंदों में 52 रन, छह चौके और तीन छक्के सहित) की शानदार वापसी और रिकॉर्ड तोड़ अर्धशतकीय पारी तथा सैमसन के साथ उनकी 98 रन की साझेदारी ने न्यूजीलैंड को अपने फैसले पर पछतावा करने पर मजबूर कर दिया। बाद में, सैमसन ने ईशान किशन (25 गेंदों में 54 रन, चार चौके और चार छक्के सहित) के साथ शतकीय साझेदारी करते हुए भारत को 16वें ओवर में 200 रन के पार पहुंचाया। कुछ देर धीमी गति के बाद, शिवम दुबे (आठ गेंदों में 26ङ रन, तीन चौके और दो छक्के सहित) ने कुछ महत्वपूर्ण रन बनाकर भारत को 255/5 के स्कोर तक पहुंचाया, जो टी20 विश्व कप फाइनल में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

गंभीर का बयान, आईपीएल 2026 के बाद शुरू होगी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा कि आईपीएल 2026 सीजन के आखिर तक भारत के पास वनडे वर्ल्ड कप 2027 की योजना तैयार हो जाएगी। गंभीर का ये बयान उस दिन के बाद आया जब टीम इंडिया ने रविवार को न्यूजीलैंड को हराकर आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीत लिया।

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इंडिया ने एक बेहतरीन अभियान की शुरुआत की, जिसने टूर्नामेंट में महज एक हार के साथ टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। गंभीर ने बताया कि कोचिंग स्टाफ टूर्नामेंट के बाद आराम करेगा और फिर वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू करेगा।

वहीं गंभीर ने बताया कि साउथ अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कप में कई उछाल भरी पिचें देखने को मिल सकती हैं। इसलिए टीम मैनजमेंट इन परिस्थितियों में अच्छा परफॉर्मेंस करने वाले खिलाड़ियों की पहचान करने और आईपीएल 2026 सीजन के अंत तक अपनी योजना और रणनीति को अंतिम रूप देने का काम करेगा।

गंभीर ने आगे कहा कि, साउथ अफ्रीका क्रिकेट खेलने के लिए आसान जगह नहीं है। हमें टीम कॉम्बिनेशन पर काम करना होगा। उन खिलाड़ियों को चुनना होगा जो वहां की परिस्थितियों से परिचित हों। चयनकर्ता और कोच ये काम करेंगे। 2026 आईपीएल खत्म होने के बाद भारत के पास 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए एक ब्लूप्रिंट तैयार होगा।

टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर बीसीसीआई का बड़ा ऐलान, टीम इंडिया पर होगी 131 करोड़ की धनवर्षा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्व कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ रुपये के भारी भरकम नकद पुरस्कार की घोषणा की। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराया था। भारतीय टीम टी20 विश्व कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनी और साथ ही घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम भी बनी। इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बीसीसीआई ने भारतीय टीम को एक शानदार नकद पुरस्कार की घोषणा की।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाली टीम इंडिया को 131 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा कि बोर्ड इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खिलाड़ियों, सहायक कर्मचारियों और चयनकर्ताओं को एक बार फिर बधाई देता है और भविष्य में उनकी निरंतर सफलता की कामना करता है। यह उल्लेखनीय है कि टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम को मिलने वाली पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बारबाडोस में 2024 में मिली जीत के लिए बीसीसीआई ने भारतीय टीम को 125 करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की थी।

इस पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ, भारतीय टीम इतिहास में तीन बार टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बन गई; टीम ने इस प्रारूप की सबसे प्रभावशाली टीमों में से एक के रूप में इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया।

अर्शदीप सिंह पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना फाइनल में डैरिल मिचेल को गेंद मारने की मिली सजा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आईसीसी का हंटर चला है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच में कीवी बल्लेबाज डैरिल मिचेल को गेंद मारी थी जिसके बाद मैदान पर कुछ पल के लिए माहौल गरमा गया था।

अब अर्शदीप सिंह को उनकी उस हरकत के कारण आईसीसी की तरफ से जुर्माना भुगतना पड़ रहा है। आईसीसी ने अर्शदीप पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। बता दें कि, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 8 मार्च को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में टीम इंडिया ने बेहतरीन जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम किया।

दरअसल, अर्शदीप सिंह को आईसीसी के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.9 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी या उसके पास और या खतरनाक तरीके से गेंद फेंकने से जुड़ा है। जुर्माना के अलावा अर्शदीप के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये पिछले 24 महीनों में उनका येपहला अपराध रहा।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्री के दूसरे सीजन का आगाज, दिग्गज खिलाड़ियों पर होगी नजर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश की राजधानी नई दिल्ली में 11 से 13 मार्च 2026 तक वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्री का दूसरा सीजन आयोजित होने जा रहा है। जिसमें भारत, रूस, नेपाल, भूटान, हांगकांग, सर्बिया, बोस्निया और मिस्र समेत आठ देशों के 250 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे।

इस बार भारत अपनी अब तक की सबसे बड़ी पैरा-एथलेटिक्स टीम उतारने जा रहा है। करीब 219 एथलीट अलग-अलग ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया के अनुसार इस आयोजन की मेजबानी मिलना विश्व पैरा खेलों में भारत के बढ़ते कद को दर्शाता है। इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार 74 स्लॉट में बांटा जाएगा। शारीरिक अक्षमता वाले एथलीटों के लिए 39, दृष्टिबाधित एथलीटों के लिए 29 और बौद्धिक अक्षमता वाले एथलीटों के लिए 6 कैटेगरी में स्लॉट हैं।

इसके अलावा कई विदेशी दिग्गज भी कड़ी चुनौती पेश करेंगे। सर्बिया के जेल्को दिमित्रिजेविच अपनी श्रेणी (इ15 क्लब थ्रो) के विश्व रिकॉर्ड धारक हैं, जिन्होंने 2012 और 2016 पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीते और सर्बिया के लिए पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडल विजेता बने। उन्हीं के देश के नेबोजसा ड्यूरिच ने पेरिस 2024 में शॉट पुट में 11.98 मीटर का थ्रो कर रजत पदक हासिल किया था। मिस्त्र की फातिमा सुवैद ने 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 200 मीटर ऊ35 स्पर्धा में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल जीता था।

कंपनियां करेंगी ज्यादा भर्तियां मैनपावर सर्वे में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मजबूत कारोबारी भरोसे और घरेलू मांग के दम पर भारतीय नियोक्ताओं ने इस साल की अप्रैल-जून तिमाही के लिए नियुक्तियों के इरादे में मजबूती दर्ज की है। मंगलवार को जारी एक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मैनपावरग्रुप के नवीनतम 'रोजगार परिदृश्य सर्वेक्षण' के अनुसार, साल 2026 की दूसरी तिमाही के लिए 'शुद्ध रोजगार परिदृश्य' (एनईओ) 68 प्रतिशत के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया है। यह पिछली तिमाही से 17 अंक और पिछले साल की समान तिमाही से 24 अंक अधिक है।

मैनपावरग्रुप इंडिया के प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा कि ये आंकड़ा दोहरी वास्तविकता पेश करता है। एक तरफ नियुक्तियों का इरादा मजबूत है, वहीं दूसरी तरफ प्रतिभाओं की कमी भी बढ़ रही है। लगभग 82 प्रतिशत संगठनों ने अपनी जरूरत के अनुसार कौशल वाले लोग ढूंढने में कठिनाई की बात कही है। क्षेत्रवार प्रदर्शन में भारत में 'वित्त और बीमा' क्षेत्र 71 प्रतिशत के रोजगार परिदृश्य के साथ सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी बना हुआ है। इसके बाद संख्या के आधार पर वाहन, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एवं सूचना और प्रौद्योगिकी सेवाओं में सबसे ज्यादा नियुक्तियां होने का अनुमान है।

देश के चारों क्षेत्रों के संगठनों ने आगामी तिमाही में कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि का अनुमान जताया है। उत्तर भारत 70 के एनईओ के साथ सबसे आगे है, जबकि आतिथ्य क्षेत्र (31 प्रतिशत) ने इस तिमाही में नियुक्तियों के प्रति सबसे सतर्क रुख (यानी सबसे कम भर्तियां करने) के संकेत दिए हैं। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि लगभग 87 प्रतिशत संगठन नियुक्तियों और प्रशिक्षण के लिए पहले से ही कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, 40 प्रतिशत नियोक्ताओं का मानना है कि एआई का सबसे अधिक लाभ प्रशिक्षण एवं विकास के क्षेत्र में मिल रहा है।

शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 648 अंक उछल कर 78, 214 पर कर रहा कारोबार

मुंबई। पश्चिम एशिया में तनाव जल्द खत्म होने की उम्मीद बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में जोरदार उछाल आया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 648.53 अंक चढ़कर 78, 214.69 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह, निफ्टी 220.10 अंक बढ़कर 24, 248.15 अंक पर कारोबार कर रहा था।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 5.18 प्रतिशत गिरकर 93.83 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को भारत जैसे आयातक देशों के लिए सकारात्मक माना जा रहा है क्योंकि इससे आयात बिल और महंगाई पर दबाव कम होगा। सेंसेक्स के समूह में शामिल 30 कंपनियों में से इंटरग्लोब एविएशन, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, अडानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, इटरनल, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा के शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुदी आर. ने कहा, 'अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष जल्द समाप्त होने को लेकर जताई गई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीद ने कच्चे तेल और अमेरिकी डॉलर को नरम किया। इससे वैश्विक बाजारों में जोखिम लेने की धारणा बेहतर हुई है।' शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 6, 345.57 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 9, 013.80 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि ब्रेंट क्रूड की कीमत सोमवार को लगभग 120 डॉलर तक पहुंच गई थी लेकिन मंगलवार सुबह यह तेजी से गिरकर करीब 89 डॉलर पर आ गई। एक ही दिन में करीब 30 डॉलर का यह उतार-चढ़ाव पश्चिम एशिया के संघर्ष को लेकर वैश्विक तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता को दर्शाता है।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सूचकांक करीब पांच प्रतिशत उछला, जबकि जापान का निक्की सूचकांक 2.5 प्रतिशत चढ़ गया। चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग भी बढ़त में कारोबार कर रहे थे। सोमवार को सेंसेक्स 1, 352.74 अंक यानी 1.71 प्रतिशत टूटकर 77, 566.16 पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी 422.40 अंक यानी 1.73 प्रतिशत गिरकर 24, 028.05 पर बंद हुआ था।

एफडीआई नियमों में बदलाव, चीन समेत पड़ोसी देशों के निवेश को राहत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्र सरकार ने विदेशी निवेश से जुड़े नियमों में अहम बदलाव करते हुए पड़ोसी देशों से आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के नियमों को आसान करने का फैसला लिया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार यह निर्णय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लिया गया। यह बदलाव वर्ष 2020 में जारी किए गए प्रेस नोट-3 में संशोधन के रूप में किया गया है।

प्रेस नोट-3 के तहत भारत की सीमा से सटे देशों से आने वाले निवेश के लिए पहले सरकार की पूर्व अनुमति जरूरी होती थी। नए फैसले के बाद इस प्रक्रिया को आसान किया गया है, जिससे ऐसे देशों के निवेशकों के लिए भारत में निवेश करना अपेक्षाकृत सरल हो जाएगा। भारत की सीमा चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान से लगती है, इसलिए इन देशों के निवेश पर यह नियम लागू होता है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक चीन से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का हिस्सा अभी भी काफी सीमित है। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2025 के बीच भारत में आए कुल एफडीआई में चीन की हिस्सेदारी लगभग 0.32 प्रतिशत रही, जो करीब 2.5 अरब डॉलर के आसपास है। भारत और चीन के रिश्तों में जून 2020 में गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प के बाद तनाव बढ़ गया था। इसके बाद भारत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर टिकटॉक, वीचैट और यूसी ब्राउजर सहित 200 से अधिक चीनी मोबाइल ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि निवेश का स्तर कम होने के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार तेजी से बढ़ा है। चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का चीन को निर्यात घटकर लगभग 14.25 अरब डॉलर रह गया।

बिकिनी में नताशा ने ढाया कहर, हार्दिक पांड्या की एक्स-वाइफ का बोल्ड अंदाज सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल

एक तरफ जहां भारतीय क्रिकेट गलियारों में जीत का जश्न और हार्दिक पंड्या की नई रिलेशनशिप की खबरें सुर्खियों में हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी एक्स-वाइफ नताशा स्टेनकोविक ने दुनिया की परवाह किए बिना सुकून का रास्ता चुना है। नताशा इन दिनों अपने लाडले बेटे अगस्त्य के साथ एक खूबसूरत बीच वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं, जिसकी तस्वीरों ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है।

नताशा स्टेनकोविक हमेशा से ही अपने बोल्ड फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं, लेकिन इस बार उनके ग्लैमर का ऐसा लुक दिखा कि फैंस नताशा को एक टक देखते रह गए। नताशा का लुक लोगों को बहुत पसंद आ रहा है।

नताशा ने अपनी एक सेल्फी शेयर की है, जिसमें वह येलो बिकिनी पहने नजर आ रही हैं। खुले बाल और बिना किसी मेकअप के भी उनका ग्लो साफ झलक रहा है। समंदर किनारे धूप का आनंद लेते हुए नताशा अपना परफेक्ट टोंड फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। उनके किलर पोज देखकर फैंस कमेंट सेक्शन में उन्हें क्वीन बता रहे हैं।

इस वेकेशन की सबसे खूबसूरत बात है नताशा और अगस्त्य की बॉन्डिंग। नताशा ने केवल अपनी बोल्ड फोटोज ही नहीं, बल्कि बेटे के साथ बिताए क्वालिटी टाइम की झलकियां भी शेयर की हैं। मां और बेटा एक साथ समंदर किनारे सुकून के पल बिता रहें हैं। जो फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। समंदर की लहरों के बीच बेटे के साथ खेलते हुए नताशा के चेहरे पर मुस्कान है। नताशा वीडियोज में अगस्त्य के साथ मस्ती करती और हर छोटे-छोटे पल को खुलकर जीते हुए नजर आ रही हैं। फैंस को मां-बेटे का यह खूबसूरत रिश्ता काफी इमोशनल और प्यारा लग रहा है।

बता दें कि कुछ ही समय पहले नताशा ने अपने दोस्तों के साथ अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया था, जहां वह ब्राउन थाई हाई स्लिट ड्रेस में गजब ढा रही थीं। लेकिन अब उनके लेटेस्ट बिकिनी लुक ने फैंस की धड़कनें और तेज कर दी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी ये तस्वीरें आग की तरह फैल रही हैं और लोग उनकी फिटनेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

हार्दिक पंड्या की लाइफ में चल रही हलचल (टी20 वर्ल्ड कप जीत का जश्न और माहिका संग खबरें) के बीच नताशा का यह अंदाज बताता है कि उन्होंने लाइफ में मूव ऑन कर लिया है। वह अपनी खुशियां अपने बेटे और अपनी पसंद की जगहों में तलाश रही हैं।

रिहाना के घर पर अंधाधुंध फायरिंग के बार सिंगर ने रातों-रात छोड़ दिया आशियाना

हमलावर महिला को लेकर हुआ सबसे बड़ा खुलासा

जब पूरी दुनिया महिला दिवस मना रही थी, पॉप क्वीन रिहाना के आशियाने पर मौत का साया मंडरा रहा था। बेवर्ली हिल्स स्थित उनके बंगले पर हुई अंधाधुंध फायरिंग ने न केवल सिंगर को सदमे में डाल दिया है, बल्कि हॉलीवुड की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हमले के बाद रिहाना ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए लोहे की दीवार खड़ी कर दी है। आइए जानते हैं उस खौफनाक रात की पूरी कहानी और हमलावर महिला के बारे में।

फायरिंग की घटना के बाद रिहाना एक पल के लिए भी रिस्क नहीं लेना चाहतीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिहाना ने अपनी प्राइवेट सिक्योरिटी को दोगुना कर दिया है। अब उनके घर के चारों ओर हथियारों से लैस गार्ड्स तैनात हैं। सिंगर अपनी सुरक्षा को लेकर इतनी फिक्रमंद हैं कि उन्होंने अपने आने वाले कई प्रोजेक्ट्स और एक हाई-प्रोफाइल फोटोशूट को टाल दिया है। फिलहाल उनका पूरा ध्यान अपने पार्टनर रैपर रॉकी और अपने तीन नन्हे बच्चों की सुरक्षा पर है।

पुलिस की गिरफ्त में आई 30 वर्षीय इवान्ना ऑर्टिज को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में पता चला है कि यह हमला कोई अचानक हुई घटना नहीं थी, बल्कि इवान्ना लंबे समय से रिहाना को निशाना बनाने की फिराक में थी। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, फायरिंग से कुछ दिन पहले इवान्ना ने फेसबुक पर रिहाना के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाली पोस्ट लिखी थी। वहीं उसने अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा था 'क्या तुम वहां हो? मैं इंतजार कर रही हूं। हिम्मत है तो मुझसे सीधे बात करो, पीठ पीछे चुपके से कुछ कहना बंद करो।' इवान्ना की सोशल मीडिया एक्टिविटी से साफ जाहिर होता है कि वह रिहाना के प्रति बहुत नफरत से भरी हुई थी।

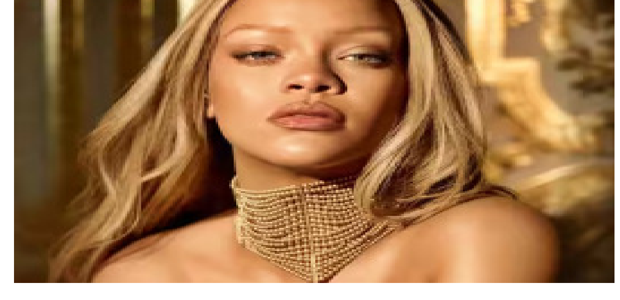

घटना के वक्त रिहाना अपने परिवार के साथ घर के अंदर ही मौजूद थीं। इवान्ना ने रिहाना के गेट पर एक के बाद एक 10 गोलियां बरसाईं। गोलियों की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा। किस्मत अच्छी थी कि गोलियां घर के बाहरी गेट पर लगीं और अंदर मौजूद किसी भी सदस्य को आंच नहीं आई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इवान्ना को धर दबोचा, लेकिन इस घटना ने रिहाना के मन में गहरी दहशत पैदा कर दी है।